



दक्षिण भारत राष्ट्रमत



தக்ஷிண பாரதத் ராஷ்டிரமத் | தினமணி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बंगलूर से एक साथ प्रकाशित

5 केकेआर की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

6 नायक जसवीर सिंह : कुपवाड़ा की अंधेरी रात में बेमिसाल बहादुरी से किया आतंकवादियों का सामना

7 मैं पश्चिम एशिया या अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्ष में रहा हूँ : शशि थरूर

फ़र्स्ट टेक

नौसेना तीन अप्रैल को युद्धपोत 'तारागिरी' को सेवा में करेगी शामिल

नई दिल्ली/भाषा। सुपरसोनिक मिसाइल समेत अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत 'तारागिरी' को तीन अप्रैल को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे और यह राष्ट्र के पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैन्य शक्ति बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयास का एक सशक्त प्रमाण होगा। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में 'तारागिरी' केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 6,670 टन का 'मेक इन इंडिया' भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्ड की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है।

रूस और यूक्रेन ने एक दूसरे पर किये हमले कीव/एपी।

रूस और यूक्रेन के बीच शनिवार को संघर्ष में कम से कम चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दोनों देशों ने एक दूसरे के उपर ये हमले ऐसे समय किये जब अमेरिका और यूक्रेन के बीच कीव पर रूसी आक्रमण को खत्म करने के तौर-तरीकों पर वार्ता होने की संभावना है। यूक्रेन के ज़ापोरिजिया शहर में एक रूसी ड्रोन ने एक इमारत को निशाना बनाया जिससे एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई तथा दो बच्चों सहित छह लोग घायल हो गए। क्षेत्रीय प्रमुख इवान फेडोरोव ने यह जानकारी दी। रूस के बेलगोरोड सीमा क्षेत्र में यूक्रेनी गोलाबारी में दो महिलाओं की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गई। रूस के गवर्नर व्लाचेस्लाव ग्लाडकोव ने यह जानकारी दी।

इजराइल ने हिजबुल्ला के सैन्य एवं असैन्य टिकानों को निशाना बनाया

बेरुत/एपी। दक्षिणी लेबनान में एक स्वयंसेवक केंद्र पर इजराइल के हमले में 12 चिकित्सकर्मियों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया तथा चार लोग लातम हैं। बुर्ज कालाउद्दया गांव में हिजबुल्ला की स्वास्थ्य शाखा 'इस्लामिक हेल्थ सोसाइटी' द्वारा संचालित एक केंद्र पर 13 मार्च को यह हमला किया गया। पिछले दो सप्ताहों में इस सोसाइटी के 24 सदस्य मारे जा चुके हैं। इजराइल की सेना ने केवल हिजबुल्ला की सैन्य परिसरों पर, बल्कि उसके असैन्य संस्थानों को भी निशाना बना रही है। इजराइल ने स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा हिजबुल्ला की वित्तीय शाखा 'अल-कर्व अल-हसन' की एक दर्जन से अधिक शाखाओं को भी नष्ट कर दिया है।

युद्ध का समाधान 'बातचीत और कूटनीति' से निकाला जाना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

हरद्वानी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है तथा इसका समाधान 'बातचीत और कूटनीति' से ही निकाला जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि युद्ध से कोई समाधान नहीं निकलेगा। उन्होंने कहा, "पश्चिम एशिया में निरंतर हमले न केवल भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। यदि समाधान तक पहुंचना है, उसका मार्ग बातचीत है। युद्ध ही समाधान नहीं है।" उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में दुनिया का कोई भी देश



प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता और हो सकता है कि भविष्य में भारत में भी उर्जा एवं खाद्य संकट उत्पन्न हो जाए। सिंह ने कहा कि लेकिन अब तक प्रधानमंत्री ने अपनी योग्यता, क्षमता और सूझबूझ से भारत को उस संकट में फंसने नहीं दिया है लेकिन भविष्य में क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी पश्चिम एशियाई गैस केंद्रों पर नए हमलों को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के मद्देनजर आई है। बुधवार को ईरान के रणनीतिक दक्षिण पार्स गैस क्षेत्रों

तथा उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने के लिए सक्षम नागरिक तैयार हों। उन्होंने कहा, "आज के समय में युद्ध सीमाओं से परे है, राष्ट्रीय सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाद्य सुरक्षा भी शामिल है।" उन्होंने कहा कि जहां प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार रक्षा बलों को विशेष हथियारों और प्रौद्योगिकियों से लैस करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, वहीं नागरिकों, विशेषकर युवाओं को अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने की आवश्यकता है ताकि ये देश को हर परिस्थिति से निपटने में मदद कर सकें। सिंह उत्तराखंड के घोराखाल स्थित सैनिक विद्यालय के हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है कि अधिक से अधिक युवा राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक मूल्यों को आत्मसात करें।

मोदी सरकार के पास न तो कोई दिशा है, न ही कोई रणनीति : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को मोदी सरकार पर देश के सामने मौजूदा आर्थिक स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक दिशा और रणनीति नहीं होने का आरोप लगाया।

गांधी ने इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की कि अगले महीने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले चुनावों के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकामले रूपए के कमजोर होने और औद्योगिक ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि से अनिवार्य रूप से महंगाई बढ़ेगी, जिसका असर हर भारतीय पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार भले ही 'खोखले बयान' दे रही हो और यह दावा कर रही हो कि सब कुछ

सरकार भले ही "खोखले बयान" दे रही हो और यह दावा कर रही हो कि सब कुछ "सामान्य" है, लेकिन हकीकत यह है कि रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती लागत हर घर को प्रभावित करेगी।



इसे सामान्य स्थिति बताए, लेकिन हकीकत यह है: उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, एमएसएमई को सबसे ज्यादा चोट लगेगी। रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, एफआईआई का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा। गांधी ने कहा कि यानी, हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। उन्होंने कहा, "और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी।" उन्होंने दावा किया, "मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है - सवाल यह है कि आपकी शाली में क्या बचा है।"

मणिपुर में 50 आईईडी, हथियार और गोला-बारूद बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कई पहाड़ी और घाटी जिलों से कम से कम 29 आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद तथा 50 आईईडी जब्त किए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह बयान जारी करके बताया कि ये सभी बरामदगी शूकरवार को की गई। बयान में कहा गया है कि एक अभियान के दौरान काकचिंग जिले के वाबागई तुरेल मार्गई क्षेत्र से एक एक-56 राइफल सहित छह आग्नेयास्त्र, तीन ग्रेनेड और गोला-बारूद बरामद किए गए। इसमें कहा गया है कि तैंग्नुपाल जिले के लोइरी और सेवोंग गांवों के आसपास से 29 आईईडी, स्थानीय रूप से निर्मित पांच हथगोले, पांच इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और कई अन्य विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई हैं। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामदेग और कामेंग इलाकों से 11 पिस्तौल, 85 कारतूस, चार जैकेट और तीन आग्नेयास्त्र जब्त किए। तैंग्नुपाल के मावी पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एसएल जोंगम इलाके से नौ आईईडी, एक पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए गए।

युद्ध के खतरे से घिरी दुनिया में केवल संवाद ही समाधान का रास्ता है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नगपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि दुनिया युद्ध के खतरे से जूझ रही है और केवल संवाद से ही समाधान निकल सकता है। राधाकृष्णन ने यहां रेशिमबाग स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में भारतीय युवा संसद के 29वें राष्ट्रीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा में बोलना क्षेत्रीय होने का नहीं, बल्कि मौलिक होने का प्रतीक है।



हर भाषा अपनी अलग विरासत समेटे हुए है, लेकिन ये सभी मिलकर सांस्कृतिक समरसता का निर्माण करती हैं जो भारत की पहचान है।

इस चार दिवसीय युवा संसद की विषय वस्तु 'भारतीय भाषाएं और विकसित भारत-2047' है। उन्होंने कहा, "जब पूरी दुनिया युद्ध के खतरे से घिरी है, तब केवल संवाद ही समाधान का रास्ता दिखा सकता है। युवा संसद हमें सम्मानजनक तरीके से चर्चा करने, विविध पृष्ठिकाओं को सुनने और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने का महत्व सिखाती है।" उन्होंने कहा, "(युवा संसद की) विषय वस्तु भाषा पर आधारित होना समय की आवश्यकता है। भारत में

अनेक भाषाएँ हैं। हर व्यक्ति अपनी मां से प्रेम करता है, हर व्यक्ति अपनी मातृभाषा और अपने धर्म से प्रेम करता है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हमें दूसरे व्यक्ति की मां का सम्मान नहीं करना चाहिए। जब हम अपनी मातृभाषाओं में बोलते हैं, तब हम क्षेत्रीय नहीं बल्कि मौलिक होते हैं।" उपराष्ट्रपति ने कहा कि हर भाषा अपनी अलग विरासत समेटे हुए है, लेकिन ये सभी मिलकर सांस्कृतिक समरसता का निर्माण करती हैं जो भारत की पहचान है। उन्होंने कहा, "भारत माता से बड़ा कोई भाग्यवान नहीं है।" राधाकृष्णन ने कहा कि उन्होंने हाल में संविधान का अद्यतन अनुवादित संस्करण तमिल और गुजराती में जारी किया और इसे इतनी भाषाओं में उपलब्ध कराने की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "संविधान पहली बार उर्दू, संथाली और कई अन्य भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है।

पाकिस्तान अफगानिस्तान के आतंकवादियों को शांति मंग करने नहीं देगा : मुनीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने शनिवार को कहा कि अफगानिस्तान से संचालित आतंकियों को देश की शांति भंग करने और सुरक्षा को खतरे में डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सेना के एक बयान के अनुसार, मुनीर ने ईद-उल-फितर के मौके पर अफगानिस्तान सीमा पर स्थित कुर्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने जवानों और अधिकारियों के साथ नमाज अदा की। मुनीर ने सैनिकों और अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान ऑपरेशन गजब-इल-हक के दौरान उनकी उपलब्धियों की सराहना की, जिसका उद्देश्य आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना और सीमा क्षेत्रों



में स्थायी शांति सुनिश्चित करना था। सेना ने कहा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान में सीमा पर स्थित सुरक्षित टिकानों से सक्रिय आतंकवादियों को पाकिस्तान की सुरक्षा को कमजोर करने नहीं दिया जाएगा। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुनीर ने कहा कि अफगान की धरती का इस्तेमाल शत्रुतापूर्ण तत्वों द्वारा पाकिस्तान के विरुद्ध गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

हवाई हमले में ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया गया, अमेरिका ने भेजे और सैनिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान के नतांज परमाणु संयंत्र को शनिवार को एक हवाई हमले में निशाना बनाया गया। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'मिजान' ने यह जानकारी दी। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में "काफी वृद्धि" होगी।

पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के बीच काट्ज़ ने एक वीडियो बयान में



कहा, "अगले सप्ताह, इजराइल और अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी आतंकवादी शासन तथा उसके आधारभूत ढांचों के विरुद्ध किए जाने वाले हमलों की तीव्रता में

उल्लेखनीय वृद्धि होगी।" स्थानीय निवासियों ने बताया कि रातभर और सुबह तक ईरान की राजधानी तेहरान में भारी हवाई हमले हुए।

अगले सप्ताह ईरान के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होगी : इजराइली रक्षा मंत्री

दुबई/एपी। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज़ ने कहा कि आने वाले सप्ताह में ईरान के खिलाफ हमलों में "काफी वृद्धि" होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पश्चिम एशिया में सैन्य अभियानों को "समाप्त करने" पर विचार करने की घोषणा किए जाने के कुछ घंटों बाद काट्ज़ ने शनिवार को यह टिप्पणी की। काट्ज़ ने एक वीडियो बयान में कहा, "इस सप्ताह, आईडीएफ और अमेरिकी सेना द्वारा ईरानी आतंकवादी शासन तथा उसके आधारभूत ढांचों के विरुद्ध किए जाने वाले हमलों की तीव्रता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।"

अमेरिका ने ईरानी तेल पर एक महीने के लिए प्रतिबंध हटाया

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने विश्व स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को अस्थायी रूप से हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि इस अस्थायी कदम से 14 करोड़ बैरल ईरानी तेल वैश्विक बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। बेसेंट ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में कहा, "यह अस्थायी, अल्पकालिक अनुमति केवल उस तेल तक सीमित है जो पहले से ही रास्ते में है और इसमें नई खरीद या उत्पादन की अनुमति नहीं है।" युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल थी, जो इस सप्ताह बढ़कर 119.50 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

22-03-2026 23-03-2026
सूर्योदय 6:19 बजे सूर्यास्त 6:11 बजे

BSE 74,532.96 (+325.72)
NSE 23,114.50 (+112.35)

सोना 15,030 रु. (24 कैर) प्रति बाल
चांदी 233,000 रु. प्रति किलो

निशान मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बक-झक
इक दूजे को देते धत्ता, करते नित प्रति चिक चिक हैं। आरोपों प्रत्यारोपों से, करते केवल झिक झिक हैं। गोल नहीं होता है उनसे, मार रहे कोरी किक हैं। कहते हैं वे स्वस्थ स्वयं को, पर सचमुच में वे सिक हैं।

सहज स्मृति योग



व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं gururajji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, पश्चिमी-एशिया में जो युद्ध चल रहा है इसके मूल में क्या है? क्या यह मूलतः रिलीजियस कारणों से हो रहा है या व्यवसायिक कारणों से, या फिर राजनीतिक कारणों से? कोई और कारण है तो पब्लिक डोमेन में क्यों नहीं आए? आप कृपा कर यह भी बता दीजिएगा कि जो उत्तर आप दे रहे हैं उसका आधार क्या है?

उत्तर: हर युद्ध का मूल कारण तो अधर्म या अज्ञान ही होता है। एक युद्ध से दूसरे युद्ध के बीच अंतर केवल रूप का होता है। अर्थात् वह लोभ का रूप लेकर प्रकट हुआ या क्रोध का? काम का या मोह का? मद का रूप लेकर प्रकट हुआ या अहंकार का? तत्पश्चात् वे सभी कारण जिनका कि आपने जिक्र किया है, जुड़ ही जाते हैं जैसे लोभ प्रबल हुआ तो देश अपने अपने व्यवसायिक हितों को प्राथमिकता देंगे। अहंकार प्रबल हुआ तो युद्ध क्षेत्र में जमीनी स्तर पर अपने वर्चस्व को बढ़ाने या बनाए रखने को प्राथमिकता देंगे। पर होता यही है कि थोड़ी बहुत मात्रा में ये सभी कारण प्रकट हो ही जाते हैं और जो युद्ध चल रहा है वह इस का प्रत्यक्ष उदाहरण है। ईरान, अमेरिका, इसाइल तीनों देश जो सीधे सीधे इस युद्ध में शामिल हैं वे इन तीनों कारणों से प्रसिद्ध हैं। रहीं बात आधार की तो, आध्यात्मिक व्यक्ति के उत्तर देने का आधार सदैव 'धि' ही होती है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या बुद्धिमत्ता से एकत्र की सूचनाएँ नहीं। क्योंकि, कोई भी वह समाधान जो ध्यान या समाधि से नहीं दिया जाता वह केवल सूचना संग्रह पर आश्रित वाग्बिलास भर होता है अतः कालातीत नहीं हो पाता। और, जो आप की अभीष्ट है वह आत्म-तृप्ति भी विशुद्ध पारलौकिक प्रज्ञा (ऋतभरा प्रज्ञा/विज्ञा) से ही अनुभूति में आती है और उसी से लौकिक अनुभव में विवेक उत्तरता है और आप जैसे सज्जन व्यक्ति हर स्थिति में आत्मनंदी बने रह पाते हैं।

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगने के बाद पंजाब के मंत्री लालजीत मुल्लर ने इस्तीफा दिया



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

ले लिया ताकि कोई जांच को प्रभावित न कर सके और न ही कोई दबाव डाल सके। मान ने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और भुल्लर के परिवहन एवं जेल विभाग किसी अन्य मंत्री को सौंपे जाएंगे। शनिवार को सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो सामने आया था जिसमें प्रबंधक गणदीप सिंह रंधावा को यह कहते सुना जा सकता है कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया है। रंधावा ने वीडियो में परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर का नाम लिया था। रंधावा के पास पढ़ी का अतिरिक्त प्रभार भी था। भुल्लर ने फेसबुक पर एक 'पोस्ट' में कहा कि उनकी पार्टी हमेशा सच के साथ खड़ी रहती है इसलिए वह चाहते हैं कि उनके खिलाफ लगे आरोपों की ठीक से जांच हो। उन्होंने कहा, 'जब तक यह जांच पूरी नहीं हो जाती... मैं पार्टी और अपने मुख्यमंत्री से अनुरोध करता हूँ कि मंत्री पद से मेरा इस्तीफा स्वीकार करें। मैं अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री भगवंत मान को भेज रहा हूँ ताकि इस मामले की ठीक से जांच हो सके।' इससे पहले, शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने आरोप लगाया कि रंधावा ने सल्लास खाकर आत्महत्या की।

भारत का दूध उत्पादन 2025 में बढ़कर हुआ 24.7 करोड़ टन



दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

आइसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट में पशुपालन क्षेत्र के लिए 6,153 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष से 16 प्रतिशत अधिक है। इस राशि का उपयोग 20,000 पशु चिकित्सकों की नियुक्ति, महाविद्यालयों और प्रयोगशालाओं को सहायता तथा सहकारी संस्थाओं को कर राहत देने में किया जाएगा। एनडीआरआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, जाट ने कहा कि दूध उत्पादन में वृद्धि में उत्तर प्रदेश अग्रणी है, जबकि उत्पादकता के मामले में पंजाब और हरियाणा शीर्ष पर हैं। नीति आयोग ने वर्ष 2047 तक दूध की मात्रा 48 से 60.6 करोड़ टन के बीच बढ़ने का अनुमान जताया है।

दुनिया की जरूरतों को पूरा करने के लिए विवि में आधुनिक, वैज्ञानिक पाठ्यक्रम होने चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को विश्व की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम अपनाना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की क्षमताओं में निहित है। उन्होंने रतन टाटा महाराष्ट्र राज्य कौशल विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह के दौरान यहां लोक भवन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य उन लोगों का है जो तकनीकी कौशल के साथ व्यवहारिक कौशल जैसे संप्रेषण, टीम वर्क, अनुकूलन क्षमता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता



का समन्वय करते हैं। उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता अनिवार्य है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की वास्तविक शक्ति उसके लोगों की क्षमताओं में निहित है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विश्व की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक, वैज्ञानिक पाठ्यक्रम अपनाना चाहिए। राधाकृष्णन ने कहा, 'हमें

समाज के हित में किसी द्वारा किए गए अच्छे कार्य के प्रति सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए।' महाराष्ट्र और अन्य राज्यों के राज्यपाल के रूप में अपने पूर्व कार्यकाल को याद करते हुए राधाकृष्णन रेखांकित किया कि विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं को आधुनिक चुनौतियों का सामना करने और शिक्षा को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए अपने पाठ्यक्रम को लगातार अद्यतन करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि डिग्री तभी सार्थक होती है जब वे रोजगार के अवसर प्रदान करती हैं। उन्होंने कौशल विकास और नई तकनीकों पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कौशल विकास और मानव संसाधन

उत्तम नगर की घटना को लेकर 'तुष्टीकरण की राजनीति' कर रहे हैं राहुल गांधी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दौरान एक दलित युवक की हत्या के मामले में तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने राहुल गांधी पर राजनीतिक अवसरवादिता का आरोप लगाते हुए दावा किया कि जब भी सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण को चुनते हैं। भाजपा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए पोस्ट में इस मामले को लेकर भाजपा पर नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है—एक ओर तरुण नामक युवक की जान गई, वहीं दूसरी ओर एक पूरा परिवार उजीड़न झेल रहा है। वे और खून-खराबा नहीं चाहते।

घटना एक बात साबित करती है: जब भी सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के बीच चुनाव करना हो, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने हमेशा तुष्टीकरण का ही रास्ता चुना है।' पासवान ने कहा, उत्तम नगर की घटना यह साबित करती है कि जब सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और तुष्टीकरण के बीच चुनाव होता है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस हमेशा तुष्टीकरण को चुनते हैं। भाजपा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए पोस्ट में इस मामले को लेकर भाजपा पर नफरत और हिंसा फैलाने का आरोप लगाया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है—एक ओर तरुण नामक युवक की जान गई, वहीं दूसरी ओर एक पूरा परिवार उजीड़न झेल रहा है। वे और खून-खराबा नहीं चाहते।

हिमाचल प्रदेश में 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रु. का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि राज्य को मिलने वाले राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद करने से सालाना 8,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान होगा। राजस्व घाटा अनुदान राज्य के राजस्व और खर्चों के बीच के अंतर को पाटने के लिए केंद्र द्वारा दी जाने वाली एक वित्तीय सहायता है। इसे चालू महीने की शुरुआत में बंद कर दिया गया था। सुक्खू के बजट भाषण के दौरान विपक्षी भाजपा सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की और व्यवधान डाला। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे राजस्व घाटा अनुदान बंद होने के मुद्दे पर राज्य का साथ नहीं दे रहे हैं, जिससे राज्य के मुकाबले इसे घटाकर 54,928 करोड़ रुपए पर अंतर पड़ा है और सालाना 8,105 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, 'इतिहास उन्हें कभी माफ नहीं करेगा।' इस पर भाजपा सदस्यों ने तत्काल तीखी प्रतिक्रिया दी। राज्य में यह पहली बार है जब बजट के आकार में कटौती की गई है। चालू वित्त वर्ष के 58,514 करोड़ रुपए के मुकाबले इसे घटाकर 54,928 करोड़ रुपए पर अंतर पड़ा है, जो 3,586 करोड़ रुपए की कमी है। अपना चौथा बजट पेश कर रहे सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की



तुलना उत्तराखंड और असम से करना गलत है क्योंकि हिमाचल जल और वन जैसे सीमित संसाधनों वाला एक पहाड़ी राज्य है। उन्होंने कहा, 'हिमाचल उत्तर भारत का फेफड़ा है और इसे 'हरित बोनस' मिनना चाहिए, लेकिन इसके बजाय राज्य का राजस्व घाटा अनुदान बंद कर दिया गया है।' उन्होंने कहा कि दुनिया भर के संघर्षों का असर अब राज्य पर भी पड़ने लगा है और अमेरिका-इजरायल तथा ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण एलपीजी की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए राज्य में 8.3% की वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है, जबकि प्रति व्यक्ति आय 9.8% बढ़कर 2,83,626 रुपए हो गई है। मुख्यमंत्री ने कांगड़ा में एप्रोसिटी विकसित करने की योजना और जिले में हवाई अड्डा बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु 3,300 करोड़ रुपए के प्रावधान की भी घोषणा की।

सरकार ने घरेलू उत्पादन बढ़ने के बीच वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन 50 प्रतिशत तक बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी का अतिरिक्त 20 प्रतिशत आवंटन मंजूर किया है, जिससे कुल आवंटन 50 प्रतिशत हो गया है। घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी के कारण स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने लगी है। पश्चिम एशिया में तीन सप्ताह से जारी युद्ध के कारण भारत को ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आई। इसके कारण पहले होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति घटा दी गई थी ताकि घरेलू रसोई के लिए गैस उपलब्ध रहे। बाद में उनके आपूर्ति का पांचवां हिस्सा बहाल किया गया और सरकार ने अतिरिक्त 10 प्रतिशत आवंटन की पेशकश की थी, यह शर्त रखते हुए कि राज्य



पाइप गैस परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें। शनिवार को सरकार ने रेस्तरां, होटल, औद्योगिक कैंटीन, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, सामुदायिक रसोई और सब्सिडी वाले खाद्य केंद्रों के लिए एलपीजी का 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन करने की घोषणा की। साथ ही सरकार ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को लक्षित वितरण के माध्यम से सहायता भी प्रदान की जाएगी। तेल सचिव द्वारा राज्यों को लिखे गए पत्र के अनुसार, यह अतिरिक्त एलपीजी आवंटन उन वाणिज्यिक संस्थानों को मिलेगा जिन्होंने तेल कंपनियों के साथ प्रसंस्करण इकाइयों, सामुदायिक रसोई और सब्सिडी वाले खाद्य केंद्रों के लिए एलपीजी कनेक्शन के लिए आवंटन किया है। सरकारी बयान में कहा गया कि घरेलू एलपीजी आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास किसी प्रकार की कमी नहीं है और वितरण कार्य सामान्य रूप से जारी हैं।



धुआंधार काम कर रहे 'धाकड़' धामी को अब 'धुरंधर' कहा जाना चाहिए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

हल्द्वानी/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 'धुरंधर' बताया और कहा कि धामी ने अपने चार साल के कार्यकाल में इतना धुआंधार काम किया है, जिसकी मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था। सिंह ने यहां धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरे होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने राज्य में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान धामी को 'धाकड़' बताया था। उन्होंने कहा, चार साल के कार्यों को देखने के बाद उन्हें अब धुरंधर धामी कहा जाना चाहिए। उन्होंने धुआंधार काम किया है। मैं कभी कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में कोई सरकार इतनी तेजी से काम कर पाएगी। कई मामलों में उत्तराखंड ने पूरे देश में अव्यल स्थान हासिल किया है। धामी ने पहली बार मुख्यमंत्री के तौर पर जुलाई 2021 में राज्य की कमान संभाली थी। वर्ष 2022 में भाजपा

सिक्किम के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के गंगटोक और पाकयोंग जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी एक परामर्श के अनुसार, अगले 24 घंटों में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन होने की आशंका है। इस चेतावनी को क्षेत्र में बदलते मौसम के मद्देनजर जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हिमालयी राज्य के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। इस बीच, उन्होंने बताया कि इलाके में भारी बर्फबारी के कारण गंगटोक से त्सोमगो झील और नाथुला जाने वाली सड़क बंद कर दी गई है।

पालतू बिल्ली रखने पर माता-पिता की आपत्ति के बाद एक महिला डॉक्टर ने 'आत्महत्या' की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर चुकी 23 वर्षीय एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस महिला ने यह अतिवादी कदम इसलिए उठाया क्योंकि उसके परिवार वालों ने घर में पालतू बिल्ली रखने पर आपत्ति जताई थी। पुलिस ने बताया कि यहां

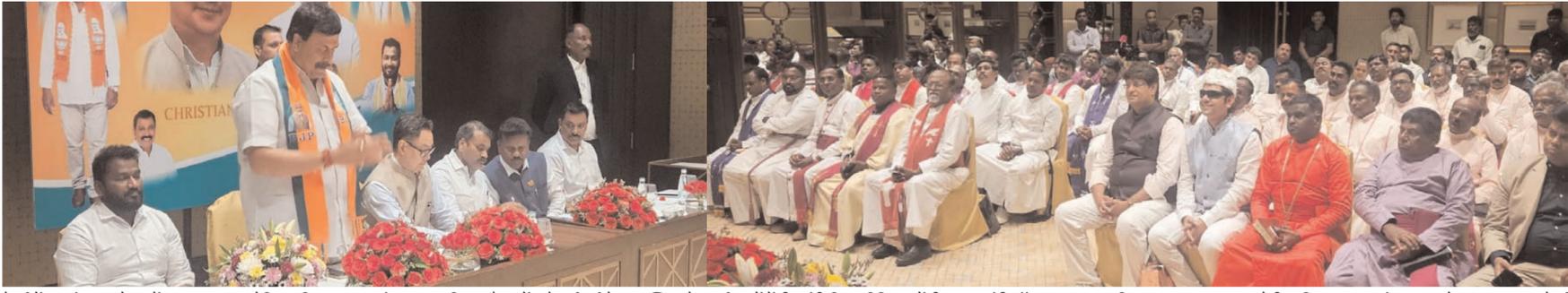
अनिश्चितता के समय भी संबंधों को बनाए रखने में मदद करती है वाणिज्य दूतावास प्रणाली : शशि थरूर



नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि वाणिज्य दूतावास प्रणाली एक स्थिरकारी शक्ति और एक सेतु दोनों के रूप में कार्य करती है, जिससे व्यापक राजनीतिक परिस्थितियों में अनिश्चितता के समय भी संबंधों को बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुपचाप, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से वैश्विक संबंधों की मजबूती में योगदान देती है। थरूर ने शुक्रवार शाम 'कॉन्सुलर दिवस' के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि वाणिज्य दूतावास कार्य कूटनीति का एक रूप है, 'जिससे विज्ञप्तियों या घोषणाओं में नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आने वाले ठोस अंतर से मापा जाता है।' इस कार्यक्रम का आयोजन 'ऑनररी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बैठक



चेन्नई में एक पंचतारा होटल में भाजपा द्वारा आयोजित तमिलनाडु अल्पसंख्यक दल की एक बैठक में अनेक ईसाई नेता उपस्थित थे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन, तमिलनाडु उच्चायुक्त सुधाकर रेड्डी, तमिलनाडु अल्पसंख्यक दल के राज्य अध्यक्ष कोवई जॉनसन जोसेफ, वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष सतीश राजा, अल्पसंख्यक दल के राज्य उपाध्यक्ष करीम, मीडिया विभाग के राज्य अध्यक्ष प्रवीण पांडे, राज्य कोषाध्यक्ष अहमद और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। आर्चबिशप मनोआ डेनियल, आर्चबिशप रमेश बाबू, आर्चबिशप सेम, आर्चबिशप गुनासेकरन, आर्चबिशप जयसिंह और कई अन्य पादरी भी उपस्थित थे। राज्य संयोजक जे जॉनसन की अध्यक्षता में टीएनबीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चे ने लीला पैलेस में केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू और केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के साथ चर्च के बिशपों और पादरियों के साथ एक मुलाकात और अभिवादन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर टीएनबीजेपी के प्रदेश सह-प्रभारी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी भी शामिल हुए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव : राजग में अधिकतर सीट पर लड़ेगी अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दे दिया गया और पार्टी के 234 सदस्यीय विधानसभा की लगभग 160 से 170 सीट पर चुनाव लड़ने की संभावना है।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अन्नाद्रमुक को सरकार बनाने के लिए अपने दम पर बहुमत प्राप्त हो। अन्नाद्रमुक को अपने दम पर सरकार बनाने के लिए 118 विधायकों के साधारण बहुमत की आवश्यकता होगी। राज्य में राजग प्रमुख पलानीस्वामी ने इस गठबंधन के लिए 210 सीट जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उन्हें गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया जा रहा है। पार्टी के एक सूत्र के अनुसार, भाजपा को 30 सीट



आवंटित होने की संभावना है। यह संख्या 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा लड़ी गई सीट से 10 अधिक है। पीएमके (अंबुमणि) को लगभग 17 सीट मिलने की संभावना है। सूत्र के मुताबिक राजग में हाल में शामिल हुई टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली एएमएमके को नौ सीट मिल सकती है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री जी.के. वासन के नेतृत्व वाली टीएमसी को तीन सीट मिल सकती

हैं। सूत्र ने कहा कि गठबंधन में शामिल छोटे दल या तो अन्नाद्रमुक के दो पत्तों वाले चुनाव चिह्न पर या भाजपा के कमल के चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीट बंटवारे की बातचीत में सीधे तौर पर शामिल हैं तथा पलानीस्वामी के साथ शुरूआती दौर की बातचीत पहले ही पूरी हो चुकी है।"

उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय राजधानी में शाह की पीएमके नेता अंबुमणि रामदास और एएमएमके महासचिव दिनाकरन के साथ हुई बातचीत के बाद, भाजपा के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल समझौते को अंतिम रूप देने

के लिए चेन्नई पहुंचेंगे। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान राजग का हिस्सा रही अन्नाद्रमुक ने 179 सीट पर चुनाव लड़ा था और 66 सीट जीती थीं, जबकि भाजपा ने 20 सीट पर चुनाव लड़ा और 47 सीटें जीती थीं, जिनमें से उसने पांच सीट जीती थीं, लेकिन पिछले साल एस रामदास और उनके बेटे अंबुमणि के बीच नेतृत्व विवाद के कारण पार्टी में फूट पड़ गई थी। अंबुमणि ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, जबकि एस रामदास ने दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की पूर्व कसौटी सहयोगी वी के शशिकला के साथ गठबंधन किया है।

तमिलनाडु में लू को लेकर अलर्ट जारी, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई शहर और तमिलनाडु के कई हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ने के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशालय (डीपीएच) ने सलाह जारी कर निवासियों से गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए सावधानी बरतने का आग्रह किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि लोग पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, दोपहर के चरम समय के दौरान बाहरी गतिविधियों से बचें और गर्मी से संबंधित स्थितियों के शुरूआती चेतावनी संकेतों को ध्यान में रखकर काम करें, जिससे परेशानी न हो।

इन लक्षणों में त्वचा पर चकत्तों और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी हल्की समस्याओं से लेकर गर्मी से थकावट और जानलेवा हीटस्ट्रोक जैसी अधिक गंभीर स्थितियां शामिल हो सकती हैं। इस सलाह में यह भी बताया गया है कि यदि तापमान सामान्य स्तर से काफी अधिक बढ़ता रहता है या 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच जाता है तो जोखिम और भी बढ़ सकता है। ऐसे हालात में बुजुर्गों, बच्चों, बाहरी कामगारों और पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोगों सहित कमजोर समूहों को विशेष रूप से खतरा होता है। मामलों में मौसमी वृद्धि की आशंका को देखते हुए राज्यभर के सरकारी अस्पतालों ने तैयारियों को तेज कर दिया है। अधिकारियों ने पर्याप्त बिस्तर, आवश्यक दवाएं, ओलरिहाइड्रेशन सॉल्ट (ओआरएस), तरल पदार्थ और शीतलन उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

जन स्वास्थ्य निदेशक डॉ. ए. सोमासुंदरम ने कहा कि अधिकारियों को व्यापक गर्मी से निपटने की कार्य योजना लागू करने, जन जागरूकता अभियान तेज करने और सभी स्तरों पर स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति शीतलन प्रणालियों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है जबकि बेहतर वेंटिलेशन और कुल-रूफ जैसी दीर्घकालिक पहलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

तमिलनाडु में लू को लेकर अलर्ट जारी, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी



मेडिकल पेशेवर मधुमेह पर शोध में योगदान दें : केंद्रीय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने युवा मेडिकल पेशेवरों से अपील की कि उन्हें मधुमेह पर शोध में योगदान देना चाहिए। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) को यहां मधुमेह देखभाल में नवीनतम प्रगति और जटिलताओं के प्रबंधन पर विचार-विमर्श करना है। इसमें गुर्दे, नेत्र और हृदय संबंधी समस्याओं पर विशेष सत्रों के साथ साथ डायबिटिक फुट के उपचार पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। ए. वी. अनूप को स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में संगीहियां, पैनेल चर्चा, वाद-विवाद, क्रिज प्रतियोगिता और शोध प्रस्तुतियां प्रमुख रूप से प्रस्तुत की जाएगी। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रो. एमवी गोल्ड मेडल ओरशन 2026 है जिसे डॉ. अशोक कुमार दास प्रस्तुत करेंगे।

पुरस्कार 2026' पाना उनके लिए अत्यंत सम्मान की बात है। विज्ञान में कहा गया कि मंत्री ने इस अवसर पर युवा पेशेवरों को मधुमेह पर शोध को आगे बढ़ाने में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस सम्मेलन में देशभर से लगभग सौ स्वास्थ्य विशेषज्ञ वक्ता और एक हजार से अधिक स्वास्थ्य प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मधुमेह देखभाल में नवीनतम प्रगति और जटिलताओं के प्रबंधन पर विचार-विमर्श करना है। इसमें गुर्दे, नेत्र और हृदय संबंधी समस्याओं पर विशेष सत्रों के साथ साथ डायबिटिक फुट के उपचार पर भी कार्यशालाएं आयोजित की जाएगी। ए. वी. अनूप को स्वास्थ्य एवं पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में संगीहियां, पैनेल चर्चा, वाद-विवाद, क्रिज प्रतियोगिता और शोध प्रस्तुतियां प्रमुख रूप से प्रस्तुत की जाएगी। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण प्रो. एमवी गोल्ड मेडल ओरशन 2026 है जिसे डॉ. अशोक कुमार दास प्रस्तुत करेंगे।

बैठक



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। सचिवालय में 21 मार्च को विशेष चुनाव पर्यवेक्षक प्रताप सिंह के साथ तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी/सरकार की प्रधान सचिव अर्चना पटनायक आईएस और मुख्य निर्वाचन अधिकारी/राज्य पुलिस नोडल अधिकारी प्रवीण कुमार अभिनव (आईपीएस) की उपस्थिति में-वर्ष 2026 के तमिलनाडु विधानसभा आम चुनावों की तैयारियों के संबंध में एक निर्देश बैठक आयोजित की। इस बैठक में चेन्नई, तिरुवन्नूर, कांचीपुरम और चेन्नई जिलों के चुनाव अधिकारियों: इन जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों; तथा तैयार सूची के अनुसार, इन जिलों/विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त पर्यवेक्षकों, पुलिस पर्यवेक्षकों और व्यव पर्यवेक्षकों ने भाग लिया।

सीट बंटवारे पर चर्चा चेन्नई में होगी, शाह के साथ रणनीति पर बातचीत की : दिनाकरन

नई दिल्ली/चेन्नई। अम्मा मक़ल मुनेत्र कणम (एएमएमके) के महासचिव टी.टी.वी. दिनाकरन ने शनिवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ अपनी मुलाकात के दौरान आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) को हराने की रणनीति पर चर्चा की। दिनाकरन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के साथ हुई इस बैठक में बातचीत इस बात पर केंद्रित रही कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों को राज्य की सभी 234 विधानसभा सीट पर एकजुट होकर काम करना चाहिए

और चुनाव में गठबंधन की जीत सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से कहा, "उन्होंने (शाह) कुछ निर्देश और सलाह दी है। मैं यहां उसी के लिए आया था।" दिनाकरन ने कहा कि वह मुख्य रूप से इसी उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्री से मिले थे और सीट बंटवारे को अगले दो से तीन दिनों में चेन्नई में सौहार्दपूर्ण ढंग से अंतिम रूप दिया जाएगा।

एएमएमके प्रमुख ने कहा, "हम भ्रष्ट द्रमुक सरकार के खिलाफ लड़ेंगे। जनता हमारे साथ है। हम निश्चित रूप से जीतेंगे और तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में राजग की सरकार बनाएंगे।"

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तमिलनाडु में धार्मिक उल्लास के साथ मनायी गई ईद, नेताओं ने एकता का आह्वान किया



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नागपत्तिनम/मदुरै। तमिलनाडु में शनिवार को ईद-उल-फ़ितर के उपलक्ष्य में विशेष नमाज अदा करने के लिए मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों लोग जुटे और राज्यभर में यह पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। चेन्नई के आडलेंड ग्राउंड्स और ऐतिहासिक ट्रिप्लिकेन बिग मस्जिद में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। साथ ही तटीय शहर नागपत्तिनम और मदुरै में भी लोगों ने ईद का पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया।

कोयंबटूर के करंबुकुडाई और विलुपुरम के विभिन्न हिस्सों में भी लोगों ने सुबह की नमाज में हिस्सा लिया और वैश्विक शांति व देश की समृद्धि के लिए दुआ की। चेन्नई में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जे एम हारुन ने ईद की शुभकामनाएं दीं और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की निंदा की तथा वैश्विक शांति के हित में इस्लामी लोगों के खिलाफ सैन्य गतिविधियों को मजबूत करने में सहायक होना चाहिए। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कणम (द्रमुक) सरकार मुस्लिम समुदाय की शिक्षा, रोजगार व राजनीतिक प्रतिनिधित्व में सामाजिक न्याय कायम रखती है। अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी ने लोगों से पैगंबर मोहम्मद की दान और करुणा की शिक्षाओं का पालन करने का आग्रह किया।

तमिलनाडु चुनाव : टीटीवी दिनाकरन ने साफ किया रुख, वीके शशिकला को एनडीए में वापस लाने की कोई योजना नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले तेज हो रही राजनीतिक गतिविधियों के बीच एएमएमके के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने शनिवार को स्पष्ट किया कि वीके शशिकला को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) गठबंधन में वापस लाने की कोई योजना नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब शशिकला की गठबंधन की राजनीति में संभावित वापसी को लेकर अटकलें तेज हैं। दिनाकरन इस सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रीय

राजधानी की यात्रा पर गए थे। उन्होंने शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत की। उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री और भाजपा के तमिलनाडु प्रभारी पीयूष गोयल से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों को एनडीए के भीतर चल रही व्यापक चर्चाओं का हिस्सा माना जा रहा है, क्योंकि पार्टियां आने वाले चुनावों की तैयारी कर रही हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि चर्चाओं में चुनावी मुद्दों की एक विस्तृत शृंखला शामिल थी, जिसमें सीट-बंटवारे की व्यवस्था, निर्वाचन क्षेत्र की प्राथमिकताएं और एएमएमके द्वारा अपने 'पेशर कुकर' चिह्न के तहत चुनाव लड़ने की

संभावना शामिल थी। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दिनाकरन ने इन चर्चाओं के महत्व को कम करके बताया। उन्होंने कहा, "मैंने अमित शाह के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा नहीं की। हमने सिर्फ एकजुट होकर चुनाव का सामना करने के बारे में बात की। शशिकला पर अपने रुख को दोहराते हुए दिनाकरन ने कहा कि उन्हें गठबंधन के ढांचे में लाने का कोई इरादा नहीं है, जिससे एनडीए के भीतर पूर्व एआईएडीएमके नेता के लिए किसी भी तत्काल राजनीतिक भूमिका की संभावना प्रभावी रूप से खारिज हो गई। सत्ताधारी द्रमुक सरकार पर निशाना साधते हुए दिनाकरन ने

दावा किया कि जब भी विपक्षी नेता दिल्ली आते तो राज्य नेतृत्व आशंकित हो जाता है। उन्होंने तमिलनाडु को केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का भी जिक्र किया और बताया कि पिछले 12 वर्षों में राज्य को लगभग 12 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि तमिलनाडु को बिना किसी कठिनाई के आवश्यक धनराशि प्राप्त हो जाए। इसी बीच पीएमके नेता अंबुमणि रामदास के गृह मंत्री शाह से अलग से मुलाकात करने की उम्मीद है, जो प्रमुख क्षेत्रीय नेताओं के साथ समानांतर परामर्श का संकेत देता है। अंबुमणि रामदास दिल्ली में ही हैं।

होटल और अन्य जगहों पर जलावन के इस्तेमाल से खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रसोई गैस (एलपीजी) संकट के कारण तमिलनाडु के होटल उद्योग के जलावन पर निर्भर होने से जल्द ही खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, लेकिन लोकियन व्योहारों के मौसम में जो उत्साह कम कर रहा है, वह है बिरयानी का महंगा हो जाना। मुस्लिम धर्मावलंबी इस बात से दुखी हैं कि पश्चिम एशिया के सशस्त्र संघर्ष से उत्पन्न एलपीजी संकट के कारण रमजान के सीजन में पारिवारिक समारोहों में लोगों की संख्या कम हो गई है।



तमिलनाडु होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष एम वेंकडारुबु ने कहा कि इस बार होटल मालिकों ने बिरयानी के साथ परोसी जाने वाली चीजों में जलावन पर ही तैयार करना पसंद किया। उन्होंने कहा, "लोग अलग से जो भी व्यंजन मंगाएंगे, वह उपलब्ध होगा क्योंकि इस बार होटलों ने जलावन

का इस्तेमाल करके बिरयानी के साथ साथ उन व्यंजनों को भी बनाना शुरू कर दिया है। लेकिन लकड़ी की कीमत बढ़ने से लागत भी बढ़ गई है। वैसे होटलों ने तले हुए व्यंजनों को बेचना बंद कर दिया है।" उद्योग जगत के जानकारों के अनुसार, अचानक उत्पन्न हुए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर संकट के कारण 90 प्रतिशत होटल लागत नहीं कमा पा रहे हैं और खासकर अकेले चेन्नई में होटलों के कारोबार में 30 प्रतिशत की गिरावट आई है। शनिवार को रमजान का त्योहार मनाया जा रहा है, ऐसे में होटलों ने बताया कि बिरयानी की कीमतें बढ़ गई हैं (ईद के दौरान सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला व्यंजन) क्योंकि इसे जलावन पर पकाया जा रहा है।

कोच्चि में किराये के मकान में तीन बच्चों समेत पांच लोग मृत मिले, जांच शुरू

कोच्चि। केरल के कोच्चि शहर में शनिवार को किराये के एक मकान में तीन बच्चों सहित पांच लोग मृत मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। ये सभी तिरुवनंतपुरम के निवासी थे और पिछले कुछ महीनों से पास के एक निजी अस्पताल में इलाज के सिलसिले में वदुथला स्थित किराये के एक मकान में रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि महिलाओं की पहचान कनकलता और उनकी बेटी अरुचती के रूप में हुई है, जबकि मृत मिले तीन बच्चों की शिनाख्त अरुचती के बच्चों के रूप में हुई है। एमकुलम उत्तर थाने के अधिकारियों ने बताया कि परिवार शुक्रवार से घर से बाहर नहीं आया था। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद मकान मालिक ने कमरे में जाकर देखा तो पांचों मृत मिले। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने कहा कि संदेह है कि महिलाओं ने पहले बच्चों की हत्या की और उसके बाद खुदकुशी कर ली। पुलिस दल परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं और अन्य कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के बाद एमकुलम उत्तर थाने में एक मामला दर्ज किया जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वन जीवन का आधार, प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रस्तुत करता है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन और पर्यावरण संतुलन पर विशेष जोर देते हुए शनिवार को कहा कि वन, जीवन का आधार हैं और प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रस्तुत करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'अरुण्य समागम' के तहत 'वन एवं अर्थव्यवस्थाएं' विषयक राष्ट्रीय यानिकी संवाद का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ग्लोबल यार्मिंग' और 'ग्लोबल कूलिंग' जैसे समरूप मानवता के लिए नई चेतावनी हैं।

योगी आदित्यनाथ ने एक कलात्मक उल्लेख करते हुए कहा, भारत की ऋषि परंपरा में



सदैव कहा गया है कि दस कुओं के समान एक बावड़ी, 10 बावड़ियों के समान एक तालाब, 10 तालाबों के समान एक पुत्र और 10 पुत्रों के समान एक वृक्ष होता है। मुख्यमंत्री ने वृक्षों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, प्रकृति में वृक्ष की महत्ता संपूर्णरूप से माननीय है। यदि वन हैं तो जल है, जल है तो वायु है और यदि वायु है तो जीवन है। जीवन की कल्पना इनके बिना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि इस वर्ष

हर्षोल्लास से मनाई गई ईद, मस्जिदों-ईदगाहों में अमन-चैन की दुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत राज्यभर की ईदगाहों और मस्जिदों में ईद-उल-फ़ितर का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और नमाज अदा की गई। संभल, कोशांबी, देवरिया और अमेठी समेत विभिन्न जिलों से त्योहार उल्लासपूर्वक मनाया गया।

लखनऊ के ऐशबाग ईदगाह में मुख्य नमाज हुई, जहां बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे। मौलाना खालिद रशीद फरसी महली की अगुआई में नमाज अदा की गई और देश में



अमन-चैन, तरकी और भाईचारे के लिए दुआ की गई। ऐशबाग ईदगाह में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी

तथा कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर अमन-चैन की दुआ की। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने भी ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। जानकारों के

अनुसार, सुन्नी समुदाय के नमाजियों ने ऐशबाग ईदगाह और टीले वाली मस्जिद (चौक) में नमाज अदा की, जबकि शिया समुदाय के लोगों ने आसिफी मस्जिद (बड़ा इमामबाड़ा) और ठाकुरगंज स्थित जामा मस्जिद में नमाज पढ़ी।

संभल जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ईद की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। 30 दिन के रोजे के बाद शाही जामा मस्जिद और ईदगाह में भारी संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा कर देश की खुशहाली और तरकी के लिए दुआ मांगी। सपा नेता फ़िराज खान ने ईदगाह पहुंचे नमाजियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया

और नवरात्र के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं पर भी पुष्पवर्षा कर प्रेम और भाईचारा बढ़ाने की बात कही। सिरसी कस्बे में कुछ लोगों ने ईरान पर अमेरिका के हमले के विरोध में बाहों पर काली पट्टी बांधकर नमाज अदा की। संभल के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिशोई ने बताया कि जिले में 765 मस्जिदों और 117 ईदगाहों में नमाज अदा की गई। समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान वर्क ने सिरसी में काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करने के सवाल पर कहा कि शांतिपूर्ण विरोध उनका अधिकार है। कोशांबी जिले में अकीदत के साथ ईद मनाई गई और ईदगाहों में हजारों हाथ अमन-चैन के लिए दुआ में उठे।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गोवर्धन के दानघाटी मंदिर में की पूजा-अर्चना

मथुरा (उप्र)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने तीन दिवसीय दौरे के आखिरी दिन शनिवार को मथुरा के गोवर्धन स्थित दानघाटी मंदिर में पूजा-अर्चना की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति ने गिरिराज जी महाराज की आरती में भाग लिया और गोवर्धन परिक्रमा भी की।

उन्होंने मंदिर में गिरिराज जी का विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। दानघाटी मंदिर के रिसेल्वर दीप चंद्र कौशिक ने बताया कि गिरिराज धारण की जय सहित अन्य मंत्रोच्चारण के बीच राष्ट्रपति ने 11 किलो दूध, दही, शहद, घी और बूरा से महाभिषेक किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति को गिरिराज जी महाराज की चांदी की प्रतिमा, एक पटका और प्रसाद भेंट किया गया।

आध्यात्मिक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग की ब्रजभूमि से जुड़ी तीन प्रमुख धरोहरें गिरिराज जी, ब्रजभूमि और यमुना महाराजी आज भी विशेष धार्मिक महत्व रखती हैं। राष्ट्रपति ने गोवर्धन पहुंचकर अभिषेक और परिक्रमा कर दानघाटी मंदिर के सेनायत जी.के. पुरोहित से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मोदी सरकार का ईरान पर हमलों की निंदा नहीं करना 'नैतिक कारगरता' : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों और यहां 'सत्ता परिवर्तन कराने की कूर कोशिशों' की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा निंदा नहीं किया जाना भारत के सभ्यतागत मूल्यों की 'नैतिक कारगरता' और 'राजनीतिक विश्वासघात' को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युद्धविराम कराने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) और इजराइल के प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) के साथ 'अपनी बहुचर्चित मित्रता का भी इस्तेमाल नहीं किया।'

रमेश ने कहा कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हवाई हमले शुरू हुए आज ठीक 21 दिन यानी तीन सप्ताह हो चुके हैं और प्रधानमंत्री को अपने बहुचर्चित इजराइल दौरे से लौटे भी 23 दिन हो चुके हैं। उन्होंने कहा, 'क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए उस भीषण हवाई हमले की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया है, जिसके कारण अब भारत सहित पूरी दुनिया में गंभीर आर्थिक अस्थिरता पैदा हो गई है? जवाब है-नहीं।' उन्होंने कहा, 'क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के शीर्ष नेताओं को लक्ष्य बनाकर उनकी लगातार हत्या किए जाने की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया? जवाब है-नहीं।' रमेश ने कहा, 'क्या मोदी सरकार ने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान में शासन परिवर्तन और राज्य को अस्थिर करने की उन कूर कोशिशों की निंदा या आलोचना की या खेद व्यक्त किया, जिनकी वजह से ईरान में गृहयुद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है? जवाब है- नहीं।'

उन्होंने कहा, 'क्या मोदी सरकार ने ईरान पर बमबारी और खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों को तुरंत रोकने के लिए कोई गंभीर कूटनीतिक प्रयास और पहल की है? क्या प्रधानमंत्री ने अमेरिका के राष्ट्रपति और इजराइल के प्रधानमंत्री के साथ अपनी बहुत प्रचारित दोस्ती का इस्तेमाल युद्धविराम कराने के लिए किया है? जवाब है-नहीं।'

भाजपा बिहार की सत्ता में अपना हिस्सा लेने को तैयार : किशोर ने नीतीश के इस्तीफे पर कहा

पटना/भाषा। जन सुरज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपना पद छोड़ रहे हैं क्योंकि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने पिछले साल विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए 'तैयार किया गया जनादेश' हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और अब 'अपना हिस्सा पाने' को तैयार है।

किशोर ने ईद पर यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि जनता दल (यूनियन) (जदयू) प्रमुख कुमार राज्य पर शासन करने के लिए 'शांतिपूर्ण और मानसिक रूप से अयोग्य' हैं। जदयू के पूर्व उपाध्यक्ष किशोर ने कहा, 'मैं यह नहीं कह सकता कि नीतीश कुमार मर्जी से पद छोड़ रहे हैं या दबाव में। लेकिन एक तरह से मेरी बात सही साबित हुई है। विस चुनाव से पहले मेरी जमकर आलोचना हो रही थी जब मैंने भविष्यवाणी की थी कि राजग के जीतने पर भी उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।' किशोर (47) ने कहा, 'राजग की हार की मेरी भविष्यवाणी शायद गलत साबित हुई हो। लेकिन नीतीश कुमार के बारे में, जो शांतिपूर्ण और मानसिक रूप से स्पष्ट रूप से अस्वस्थ हैं, मेरी भविष्यवाणी सही निकली।'

मदर टेरेसा के नाम का अनधिकृत उपयोग अस्वीकार्य है: मिशनरीज ऑफ चैरिटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने विभिन्न गतिविधियों के लिए किन्हीं भी संगठनों और व्यक्तियों

द्वारा उसके और मदर टेरेसा के नाम के अनधिकृत उपयोग के खिलाफ चेतावनी दी है। इनका नाम धन जुटाने और प्रचार अभियान में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। यह सलाह ऐसे समय में जारी की गई है जब एसी खबरें आ रही हैं कि कुछ संगठन और व्यक्ति बिना अनुमति के धन जुटाने की गतिविधियों के लिए मदर टेरेसा के नाम और छवि का उपयोग कर रहे हैं। अपने संस्थापक द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों पर जोर देते हुए, मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने कहा, मदर टेरेसा ने कभी नहीं

चाहा कि उनके नाम या छवि का उपयोग धन जुटाने या चंदा मांगने के उद्देश्यों के लिए किया जाए, यहां तक कि धार्मिक कार्यों के लिए भी नहीं, सादगी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और स्वैच्छिक सद्भावना पर निर्भरता को रेखांकित करते हुए।

उन्नीस मार्च को जारी बयान में कहा गया, हमें यह जानकारी मिली है कि कुछ संगठन और व्यक्ति हमारी अनुमति के बिना धन जुटाने सहित विभिन्न गतिविधियों के लिए मदर टेरेसा और मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नाम का उपयोग कर रहे हैं।

मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने स्पष्ट किया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत उपयोग लोगों के बीच भ्रम पैदा करता है, खासकर जब इस दान अभियान या धर्मार्थ अपीलों से जोड़ा जाता है।



प्रकृति की रक्षा करने से बड़ी कोई पूजा नहीं: सरहुल पर झारखंड के मुख्यमंत्री का बयान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को लोगों से प्रकृति की रक्षा करने और मानव जीवन की सुरक्षा करने का आह्वान किया और जोर देकर कहा कि प्रकृति के प्रति श्रद्धा से बढ़कर कोई पूजा नहीं है। रांची के करम टोली स्थित ट्राइबल कॉलेज

छात्रावास में आयोजित सरहुल उत्सव को संबोधित करते हुए सोरेन ने कहा कि यह त्योहार मनुष्य और प्रकृति के बीच अटूट बंधन का प्रतीक है, जो लोगों को याद दिलाता है कि समस्त जीवन की उत्पत्ति प्रकृति से होती है और अंततः उसी में लौट जाती है। उन्होंने कहा, अगर प्रकृति का अस्तित्व न होता, तो दुनिया में कोई भी जीवित प्राणी न होता। यह पूरी व्यवस्था प्रकृति द्वारा ही बनाई और

कायम रखी गई है, और आदिवासी समुदायों को इस प्राकृतिक व्यवस्था में अटूट विश्वास है। सोरेन, अपनी पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन के साथ छात्रावास परिसर में सरहुल अनुष्ठान में शामिल हुए और समारोहों के दौरान परंपरिक आदिवासी याद यंत्र मंदाव भी बजाया। उन्होंने कहा, हम सभी को प्रकृति से पुनः जुड़ना होगा। जब तक प्रकृति संरक्षित रहेगी, हमारा अस्तित्व भी सुरक्षित रहेगा।



ममता ने मोदी को 'सबसे बड़ा घुसपैट करने वाला' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सत्ता पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से लोगों के 'मतदान अधिकार छीनने' का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'सबसे बड़ा घुसपैट' करने वाला करार दिया।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता ने कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को

संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों को लोकतांत्रिक अधिकारों और बंगाल के बहुल सामाजिक ताने-बाने की रक्षा की लड़ाई करार दिया। ममता ने कहा, 'हम मोदी जी और भाजपा को आपके मतदान के अधिकार छीनने नहीं देंगे। हम अंत तक लड़ेंगे।' मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने के लिए उन्होंने कोलकाता से लेकर दिल्ली तक की अदालतों का रुख किया है। उनकी ये टिप्पणी निर्वचन आयोग द्वारा कराई जा रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई है। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर के कारण वैध मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, खासकर

अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से। उन्होंने कहा, 'जब आप विदेश जाते हैं, तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और मित्रता की बातें करते हैं। यह आपकी पसंद है, और मैं सभी देशों का सम्मान करती हूँ। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं, तो अचानक हिंदू-मुस्लिम विवाद शुरू हो जाता है, और लोगों को घुसपैटिया कहा जाने लगता है।' ममता ने मोदी और भाजपा द्वारा सीमावर्ती राज्य में घुसपैट के बार-बार लगाए जा रहे आरोपों को लेकर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, 'आप फिर नाम हटाने और लोगों को घुसपैटिया करार देने की बात करते हैं। मैं कहूँ कि आप और आपकी सरकार सबसे बड़ी घुसपैट करने वाले हैं।'

केकेआर की गेंदबाजी में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा : अश्विन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी आक्रमण में अब पहले जैसा खौफ नहीं रहा और उनके 'मिस्ट्री' स्पिनरों में 'नवीनता का तत्व' भी फीका पड़ गया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले केकेआर की ताकत और कमजोरी का विश्लेषण करते हुए अश्विन ने कहा कि भारतीय स्पिनर वर्ण चक्रवर्ती पर अब काफी जिम्मेदारी होगी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे नहीं लगता

कि केकेआर की गेंदबाजी देखकर विरोधी टीम डरेगी। 'मिस्ट्री फैक्टर', 'नवीनता' और खौफ, ये सब अब खत्म हो चुके हैं। पहले बल्लेबाज विश्वेश्वर के कर्मों में जाकर गेंदबाज के हाथ को देखते थे या फिर एक रन लेने की बात सोचते थे।' उन्होंने कहा, 'वर्ण अपने करियर के ऐसे दौर में हैं जहां उन्हें जवाब देना होगा। यह हर क्रिकेटर के विकास का हिस्सा होता है। मुझे लगता है कि नवीनता का तत्व अब खत्म हो गया है।' अश्विन ने यह भी कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर सुनील नारायण की प्रभावशीलता भी कम हो गई है। उन्होंने कहा, 'सुनील नारायण अब अपने एक्शन की वजह से अपनी तेज गेंद नहीं डाल सकते। इंडन गार्डेन्स छोटा मैदान है इसलिए



विरोधी टीमों के लिए आक्रमक होना आसान हो गया है।' उन्होंने जोर देकर

कहा कि केकेआर के गेंदबाजों के लिए आक्रमक बल्लेबाजी लाइन-अप को रोकना मुश्किल हो सकता है, खासकर छोटे मैदानों पर। उन्होंने यह भी कहा कि चोटों और खिलाड़ियों में बदलाव के कारण गेंदबाजी इकाई कमजोर हो गई है। उन्होंने कहा, 'नीलामी के बाद मैंने कहा था कि केकेआर की गेंदबाजी मजबूत है। लेकिन अब मुस्तफिजुर रहमान टीम में नहीं हैं। माथिशा पाथिराना चोटिल हैं और हर्षित राणा भी बाहर हो चुके हैं।' अश्विन ने कहा, 'केकेआर के पास ब्लेसिंग मुजारबानी हैं जिन्होंने मेहनत की है और मैं उन्हें देखने के लिए उत्साहित हूँ। लेकिन इतनी चोटों के बीच किसी को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी और

वो कौन होगा, मुझे नहीं दिखता।' भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप भी केकेआर के पूरे सत्र के लिए बाहर हो गए हैं। अश्विन ने श्रेयस अय्यर की अनुपस्थिति का भी जिक्र किया जिन्होंने 2024 में केकेआर को तीसरा खिताब जिताना था लेकिन टीम ने उन्हें रिलीज कर दिया। उन्होंने कहा, 'कोरबो अब मुस्तफिजुर रहमान का प्रयास कर रहे थे कि तभी गौ-तकरां ने उन्हें कुचल दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) स्लोक कुमार ने बताया कि भीड़ में शामिल कुछ असाामाजिक लोगों ने माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के

संदिग्ध हालात में गोरक्षक 'फरसा वाले बाबा' की मौत, आक्रोशित भीड़ ने राजमार्ग जाम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में शनिवार तड़के हरियाणा बॉर्डर के समीप 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर गोरक्षक बाबा चंद्रशेखर की राजमार्ग पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से आक्रोशित भीड़ ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर दिया और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना से संबंधित वीडियो में पुलिस को लोगों को हटाने का प्रयास करते हुए देखा जा सकता है जबकि प्रदर्शनकारी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की गाड़ियों पर पथराव करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने इसके बाद दंगाइयों को काबू में करने के लिए पहले हल्का बल प्रयोग किया और फिर आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाबा कोटवन बॉर्डर क्षेत्र में नवीपुर के समीप गोवंश से लदे एक ट्रक को रोकने का प्रयास कर रहे थे कि तभी गौ-तकरां ने उन्हें कुचल दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) स्लोक कुमार ने बताया कि भीड़ में शामिल कुछ असाामाजिक लोगों ने माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया और आंसू गैस के

गोले दागे। उन्होंने बताया कि बाबा के समर्थक उनका दाह संस्कार करने के लिए ही शव को आजनेख गांव स्थित उनकी गोशाला लाए थे और अब अगर वे पोस्टमॉर्टम कराना चाहेंगे तो अवश्य कार्रवाई जाएगी।

कुमार ने फोन पर हुई बातचीत पर स्पष्ट किया कि इस मामले में चार-पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामलों की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है और राजमार्ग पर याहनों की आवाजाही जारी हालांकि इलाक़े में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने एक बयान जारी कर भ्रम दूर करने का प्रयास किया कि फरसा वाले बाबा शनिवार तड़के चार बजे हरियाणा सीमा थाना क्षेत्र कोसीकला पर वाहन में गोवंश होने की सूचना पर अपने शिष्यों के साथ नगालेण्ड नंबर के एक कंटेनर को रोककर जांच कर रहे थे। बयान के मुताबिक, उक्त कंटेनर में साबुन, किनाइल, शैम्पू आदि सामान भरा हुआ था और इसी दौरान घने कोहरे के कारण पीछे से राजस्थान नंबर के एक ट्रक कंटेनर को टक्कर मार दी, जिससे बाबा की मौत पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में ट्रक चालक घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि लोगों द्वारा भ्रामक सूचना के कारण जाम व पथराव की घटना हुई और लोगों को समझाया जा रहा है।

सुविचार
सुंदरता केवल चेहरे में नहीं, चरित्र और व्यवहार में होती है। सादगी ही सबसे बड़ा श्रृंगार है।

द्वीप
आज तिरुवनंतपुरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में अंत्योदय के प्रणेता श्रेयस पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, प्रखर राष्ट्रवादी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी एवं समाजसेवी व राष्ट्रवादी विचारक श्री पी. परमेश्वरन जी की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया।
-भजनलाल शर्मा

हम लोगों ने कार्बन फाइनेंस प्रोजेक्ट के अंतर्गत कार्बन क्रेडिट के लिए कृषकों को धनराशि वितरण का कार्य किया है... उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने इस दिशा में कार्यक्रम को आगे बढ़ाया है...।
-योगी आदित्यनाथ

कहानी

रशीद अमज़द
अनुवाद : शम्भु यादव

बस एक झटके से रुकती है। मैं अद्विधित स्थिति में इधर-उधर देखा हूँ। लम्बे घेरे की सलवार और खुली बाहों का कुरता पहने, पैरों में फटी-पुरानी जूती डाले अर्धे उग्र का एक देहाती बस में सवार होता है। कंडक्टर पछता है-बाबा कहां जाना है? तो कुरते की जेब में हाथ डालता चीन्ता से कहता है-टैकसला जी! मैं घबराकर चारों तरफ देखा हूँ। मेरा अस्तित्व सीट की गिरफ्त से निकलकर फैलने लगता है। सनसनाती हवा लगातार बड़बड़ाती है-टैकसला...टैकसला...टैकसला...! बस तेजी से दौड़ती घली जा रही है। कटे-फटे जख्मी मैदान, बंजर जमीन, इक्का-दुक्का पेड़ पीछे छूटते जा रहे हैं।

अब कोई हदबन्दी नहीं, मैं पूरे मैदान पर छा रहा हूँ। दिमाग में लहलहाता जंगल उभर रहा है। कर्म में सूर्य की किरणें चारों ओर फैल चुकी हैं। कलाकार तलीन होकर मूर्ति पर झुका हुआ है। उसे समय का भान नहीं। दौपक जागमाने लगते। अपने काम से आक्षत हो, अंगड़ाई लेता वह पीछे हट गया। पथर के उस टुकड़े में जीवन जन्म ले चुका था। मूर्ति के चेहरे से असीम मुसकान, खुशी और उज्ज्वलता की किरणें बिखर रही थीं। कलाकार प्रफुल्लित होकर कुछ क्षण मूर्ति को देखा रहा, फिर झुककर उसने मूर्ति के चरण छू लिए।

देवदासी कौशल्या दबे-पाँव अन्दर आयी। कुछ क्षण उसे श्रद्धा और सम्मान से देखती रही, फिर झुककर उसने उसे प्रणाम किया। कलाकार ने उसे कन्धे पकड़कर उठाते हुए कहा-“तुम तो देवी हो!” देवदासी बोली-“तुम महान कलाकार हो! तुमने भगवान को नया जीवन दिया है!...” कलाकार ने कहा-मैं तो महात्मा की मूर्ति में भी तुम्हें ही तराशता हूँ। तुम्हारा अस्तित्व ही मन्दिर का जीवन है!” दोनों चुपचाप एक-दूसरे को देखते खड़े रहे। कोमल, मदभरी शाम उनके गिर्द नाचने लगी। शाम को कलाकार मन्दिर में गया, तो पूजा का दूसरा नृत्य शुरू हो चुका था। कोकिलकंठी कौशल्या अपने मधुर स्वर में रस घोलती चारों दिशाओं में आवाज़ दे रही थी :

ऐ आने वालो! आओ! यह धरती तुम्हें पुकारती है! मेरी पवित्र माँ, जो ज्ञान का झार है, अपनी छातियों में सरकते दूध से तुम्हारी रसों में कला का लहूँ दौड़ाएगी! तुम्हें नया जन्म देगी! इस महान धरती के महान निवासि हर आने वाले का स्वागत करते हैं!... मेरी माँ! मेरी धरती! मैं बड़बड़ाता हूँ। मेरा साथी मुझे विस्मय से देखा हुआ पृथ्वी है-क्या आपकी माँ भीमार है...? मैं सिर हिलाता हूँ। मेरा अस्तित्व फिर फैलने लगता है।

हम तीनों नदी के किनारे नरम-नरम घास पर लेट गये। जब दयाशंकर ने पूजा कि इस समय कामिनी कहां होगी, तो मदमोहन ने बाँसुरी नीचे रख दी और उसकी आँखों में बादल घिर आये। मेरी आँखों में भी राधा टिमटिमाने लगी। उसने मेरे सीने से चिपटकर रोते हुए पूछा था-“लोटकर कब आओगे? आखिर क्यों जा रहे हो?” मैंने कहा था-“ज्ञानार्जन करने।” मैं वहाँ से विद्या का, भगवान का नूर लेकर लौटूँगा।

हमने अपना-अपना बोझ उठाया और चल पड़े। मोहन ने सवाल किया-“हम क्या हैं? मनुष्य क्या हैं?” जब दयाशंकर ने कहा कि इस समय जंगल में यह सवाल कितना अजीब लगता है, तो मोहन बोला-“हम इन पेड़ों की तरह एक-दूसरे के पास हैं और अकेले भी। हम कौन हैं, क्या हैं, यह जानने के लिए ही तो हम हजारों कोस की इस यात्रा का कष्ट सहन कर रहे हैं।” कामिनी कहती थी-“मैं जीवन भर तुम्हारी राह देखूँगी!...पगली कहीं की! भला विद्या के अथाह सागर से भी कभी कोई लौटा है!”

‘ऐ ज्ञान के अथाह सागर के खोजियो! हम सब चक्रवर्तियों में घूम रहे हैं। आत्मा चक्रवर्तियों की इस यात्रा में पापों से छूटकर अपना कल्याण करती है। इच्छा का अन्त ही जीवन की इस कठिन राह का अन्त है...’

हम चुपचाप विश्वविद्यालय की सीढियाँ उतरने लगे...सायंकाल नगर के निवासी विश्वविद्यालय के बड़े झार पर आ जाते और दो-दो, चार-चार विद्यार्थियों को भोजन के लिए

समुद्र कतरा समुद्र



अपने साथ नगर में ले जाते। हमने पंडित चन्द्र के छोटे-से घर में प्रवेश किया, तो उनके परिवार के सभी लोगों ने आंगन में आकर हमारा स्वागत किया। पंडितजी की पत्नी ने हमें प्रेम से भोजन कराया। रात में जब हम लौट रहे थे, तो मोहन बोला-लक्षशिला वाले कितने महान हैं...! सवेरे दयाशंकर ने मुझे झिंझोडकर जगाया-उठो!

“मुझे बचाओ! मैं डूब रहा हूँ...!” मेरे कदमों में दम तोड़ता शहर चीख रहा है। मैं पागलों की तरह चारों तरफ दौड़ता हूँ। एक धमाका होता है। बड़े मन्दिर की दीवारें नीचे आ रही हैं। उसके पीछे-पीछे भगवान की मूर्ति है और उससे चिपटी हुई कौशल्या। एक धमाका होता है। मैं आँखें बन्द कर लेता हूँ। चीखें अब सर्द हो रही हैं। लहूँ की बूँदें जमने लगी हैं। पथरों की गडगड़ाहट दम तोड़ रही है। मैं चीखता हूँ-ए महानगर! तू कहां है? धरती खिलखिलाकर हँसती अपनी बाँहें खोल देती है। सारा शहर मुस्कराता-गुनगुनाता हुआ उसके आगोश में सो रहा है। मैं उसकी ओर लपकता हूँ, तो धरती कहती है-न-न, मेरे बच्चे को आराम करने दो! बहुत थक गया है...!” और धरती उसे अपने आगोश में लिए गहरी नींद सो जाती है।

गुरुदेव प्रकट होने वाले हैं! मैं हड़बड़ाकर बाहर निकला। “मेरे बच्चे! निद्रा मनुष्य के जीवन की मृत्यु है, जो उसे चक्र में खींच लेती है। मनुष्य निद्रा के झंझों में आकर ज्ञान के मार्ग से हट जाता है। आत्मा भगवान का सुन्दर रूप है, जो कभी मर नहीं सकता...” मैं आँखें मलता हूँ। बस तेजी से दौड़ रही है... पाठशाला में गहरी निरस्तब्धता छाई है। विद्यार्थी अपनी-अपनी कुटी में हैं। हम तीनों बड़े झार की दीवार से सटे खड़े हैं। दो सिपाही आपस में मजाक करते हुए निकलते हैं, तो मोहन मुड़ियाँ भींचकर बड़बड़ाता है-अम्बी कुत्ते...!

दयाशंकर कहता है-सुना है, चार हजार बेल काटे गये हैं...? हम तीनों बाजार की तरफ निकल जाते हैं। दूर-दूर तक लोगों के सिर ही सिर नजर आते हैं। तम्बुओं के बाहर सिपाही जोर-जोर से बातें करते जाँचें खूजला रहे हैं। दयाशंकर मुँह सिकोड़कर कहता है-कुत्ते...! हम वापस लौटते हैं। पंडित चन्द्र हमें मिलते हैं। वह निराशा से सिर हिलाते हुए कहते हैं-अम्बी देशद्रोही निकला...! उनके साथ देवदासी कौशल्या है। वह दोनों हाथ जोड़कर हमें प्रणाम करती हुई कहती है-सुना है, बड़े दरिया के किनारे पोरस इनकी राह देख रहे हैं।

मोहन भावाभिभूत होकर कहता है-“यह इस धरती का सच्चा सपूत है...!” हमारे चेहरे खिल उठते हैं। देवदासी दोनों हाथ जोड़कर हवाओं में किसी को सिर झुकाकर कहती है-“हे

जाती है। मैं बड़बड़ाता हूँ-मैं काई बनकर, खून के छँटे बनकर, अनन्त काल तक इन दीवारों से चिपटा रहूँगा! हर आने वाले को तेरी महानता की कहानियाँ सुनाता रहूँगा...! मैंने काल को पराजय दी है। मैं पथरों, दीवारों और टीलों पर आज भी मौजूद हूँ। मेरे बच्चों! ये खँडहर उस गुनगुनाते नगर के साक्षी हैं, जो कभी विद्या और कला और साहित्य का पालना था। प्रोफेसर सलीम की आवाज डबडबा गयी। इनायत अनाह ने कहा-“मौत कितनी भयानक चीज होती है!”

“हाँ, वह इनसानों की तरह नगरों पर भी नाजिल होती है!” दीवार की तरल सुगन्ध कितनी प्यारी है! इनायत ने दीवार पर हाथ फेरा। दीवार की ओट में मैले-कुचैले, फटे कपड़े पहने, कम्बल लपेटे कोई व्यक्ति दबे-पाँव हमारे पास आया और बोला-सा’ब, लेगा...?’ मैंने झपट कर उसके हाथ से मूर्ति ले ली। गौतम बुद्ध की एक सुन्दर मूर्ति थी। वह फिर बोला-पाँव रुपये! मेरे पूछने पर कि यह तुम कहां से लाये!” उसने कहा-धरती में से निकला है, सा’ब...!” इनायत ने मेरे कान में कहा-किसी मन्दिर से चुरा लाया होगा...!” मैं सिसक पड़ा-“मत बेचो! खुदा के लिए इसे मत बेचो! यह तो तुम्हारे महान अतीत की साक्षी हैं! इसे भी बेच दिया, तो फिर तुम्हारे पास रह ही क्या जाएगा...?”

वह तीन रुपये में ही बेचने को तैयार हो गया, किन्तु इनायत ने उसके हाथ में पाँच का नोट रख दिया। उसकी बाँछें खिल गयीं। लम्बा कर्सी सलाम कर वह दीवार की ओट में उतर गया। इनायत ने कहा-“जानते हो, अब यह क्या करेगा? ठरं की बोटल और जुआ...!” उसने उदासी से कन्धे सिकोड़े-एक महान मॉ, तरे बेटों को क्या हो गया! किसी की नजर खा गयी इन्हें...? हम दीवार के साथ टेक लगाकर बैठ गये। इनायत ने दीवार पर हाथ फेरते हुए कहा-लम्बी यात्राओं का कष्ट सहकर लोग यहाँ कितनी दूर-दूर से आते होंगे! शायद हम भी कभी आये हों!

मैंने उसकी आँखों में झंका, वहाँ दो दीये टिमटिमा रहे थे-हम सारे तमाश के गवाह हैं। हम अपनी फना और मौत के गवाह हैं। एक के बाद दूसरा आता है। दूसरे के बाद तीसरा। आखिरी के बाद फिर एक ही आया। मैं न! मैंने मूर्ति को दीवार में बने ताक में सजा दिया, फिर कहा-“चलो, चलें।” कंडक्टर घंटी बजाता है। बस की रफ्तार सुस्त पड़ जाती है। “टैक्सला...टैक्सला...” कंडक्टर चीखता है, सामनेवाला बुद्ध तेजी से दरवाजे की ओर लपकता है। मैं खिड़की से झँकता हूँ। हाथों में झाबुडियाँ उठाये, छोटे-छोटे बच्चों की भाँति-भाँति की आवाजें-शरभन्ते! केला! सिमरन्ते...इन बच्चों को स्कूल में होना चाहिए था! आँखें धुँरे की एक लम्बी रेखा पर उतर जाती हैं। “यह धुँआँ...यह धुँआँ...” मैं बड़बड़ाता हूँ। “यह चाइनीज हेवी कॉम्प्लेक्स है...पाकिस्तान के शाहदार भविष्य का साक्षी!” मेरा साथी बताता है-“शीघ्र ही यहाँ एक रशियन हेवी कॉम्प्लेक्स भी लगने वाला है! अब तो फौलाद काखाना भी यहाँ लगेगा।”

मुझ पर जन्नत की-सी स्थिति छा जाती है। मैं घूम-घूमकर चारों तरफ देखता हूँ। दूर-दूर तक फैले मैदान बंजर बनकर कैद से रिहा हो रहे हैं। शुष्क पहाडियाँ हरियाली को गले लगा रही हैं। उसने कहा था, “हाँ-हाँ, मेरा बच्चा थक गया है! उसे आराम करने दो! वह एक दिन अवश्य जागेगा!”

“हाँ-हाँ, मुझे याद है!” मैं बड़बड़ाता हूँ! मुझे महसूस होता है, सारे प्रदेश पर धुँरे की बादर तनती चली जा रही है। मैं सूँघता हूँ...धुँरे का कसैलापन...सोंधापन। मैं तो इसके लिए तरस गया था। मैं लम्बी-लम्बी साँसें लेकर उसे नस-नस में भर लेता हूँ मेरी धरती, मेरी माँ का स्पर्श...मेरे अन्दर जीवन की नई उमंग, नई लहर दौड़ उठती है। मुद्रतों का सोया यह महान नगर आँखें मल रहा है। मुझे उसकी साँसों की आवाज सुनाई देती है। धरती गहरी-गहरी साँसें ले रही है। मैं खुशी से नाचने लगा हूँ...टैक्सला साँस ले रहा है! और चारों ओर फैली हुई हवा मेरे साथ नाचती हुई मेरे शब्द दुहराती है। टैक्सला साँस ले रहा है!

- ‘हिन्दी समय’ से साभार

संजय उवाच
संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

परिवर्तन का संवत्सर

नू तन और पुरातन का अद्भुत संगम है प्रकृति। वह अगाध सम्मान देती है परिपक्वता को तो असीम प्रसन्नता से नवागत को आमंत्रित भी करती है। जो कुछ नया है स्वागत योग्य है। ओस की नयी बूँद हो, बच्चे का जन्म हो या हो नववर्ष, हर तरफ होता है उल्लास, हर तरफ होता है हर्ष भारतीय संदर्भ में चर्चा करें तो हिन्दू नववर्ष देश के अलग-अलग राज्यों में स्थानीय संस्कृति एवं लोकचार के अनुसार मनाया जाता है। महाराष्ट्र तथा अनेक राज्यों में यह पर्व गुड़ी पाडवा के नाम से प्रचलित है। पाडवा याने प्रतिपदा और गुड़ी अर्थात् ध्वज या ध्वजा। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्मा जी ने सृष्टि का निर्माण किया था। सतयुग का आरंभ भी यही दिन माना गया है। स्वाभाविक है कि संवत्सर आरंभ करने के लिए इसी दिन को महत्व मिला। गुड़ीपाडवा के दिन महाराष्ट्र में ब्रह्मध्वज या गुड़ी सजाने की प्रथा है। लंबे बांस के एक छोर पर हरा या पीला जरीदार वस्त्र बांधा जाता है। इस पर नीम की पत्तियाँ, आम की डाली, चाशनी से बनी आकृतियाँ और लाल पुष्प बांधे जाते हैं। इस पर तांबे या चांदी का कलश रखा जाता है। सूर्योदय की बेलामें इस ब्रह्मध्वज को घर के आगे विधिवत पूजन कर स्थापित किया जाता है।

माना जाता है कि इस शुभ दिन वातावरण में विद्यमान प्रजापति तरंगों गुड़ी के माध्यम से घर में प्रवेश करती हैं। ये तरंग घर के वातावरण को पवित्र एवं सकारात्मक बनाती हैं। आधुनिक समय में अलग-अलग सिग्नल प्राप्त करने के लिए एंटीना का इस्तेमाल करने वाला समाज इस संकल्पना को बेहतर समझ सकता है। सकारात्मक व नकारात्मक उर्जा तरंगों की सिद्ध वैज्ञानिकता इस परंपरा को सहज तार्किक स्वीकृति देती है। प्राथना की जाती है, हे सृष्टि के रचयिता, हे सृष्टा आपको नमन। आपकी ध्वजा के माध्यम से वातावरण में प्रवाहित होती सृजनतात्मक, सकारात्मक एवं सार्विक तरंगें हम सब तक पहुँचें। इनका शुभ परिणाम पूरी मानवता पर दिखे। सूर्योदय के समय प्रतिष्ठित की गई ध्वजा सूर्यास्त होते- होते उतार ली जाती है। प्राकृतिक कालगणना के अनुसार चलने के कारण ही भारतीय संस्कृति कालजयी हुई। इसी अमरता ने इसे सनातन संस्कृति का नाम दिया। ब्रह्मध्वज सजाने की प्रथा का भी सौधा संबंध प्रकृति से ही आता है। बांस में कंठे होते हैं, अतः इसे मेरुदंड या शीद की हड्डी के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया गया है। जरी के हरे-पीले वस्त्र याने साड़ी-चोली, नीम व आम की माला, चाशनी के पदार्थों के गहने, कलश याने मस्तक। निराकार अनंत प्रकृति का साकार स्वरूप में पूजन है गुड़ी पाडवा।

कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश में भी नववर्ष चैत्र प्रतिपदा को ही मनाया जाता है। इसे ‘उगादि’ कहा जाता है। केरल में नववर्ष ‘विशु उत्सव’ के रूप में मनाया जाता है। असम में भारतीय नववर्ष ‘बिहाग बिहू’ के रूप में मनाया जाता है। बंगाल में भारतीय नववर्ष वैशाख की प्रतिपदा को मनाया जाता है। इससे ‘पोहिला बैसाख’ यानी प्रथम वैशाख के नाम से जाना जाता है। तमिलनाडु का ‘पुथांडू’ हो या नानकशाही पंचांग का ‘होला-मोहला’ परोक्ष में भारतीय नववर्ष के उत्सव के समान ही मनाये जाते हैं। पंजाब की बैसाखी यानी नववर्ष के उत्साह का सोधी माटी या खेतों में लहलहाती हरी फसल-सा अपार आनंद। सिंधी समाज में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ‘चेटीचंड’ के रूप में मनाये की प्रथा है। कश्मीर में भारतीय नववर्ष ‘नवरेह’ के रूप में मनाया जाता है। सिक्किम में भारतीय नववर्ष तिब्बती पंचांग के दसवें महीने के 18वें दिन मनाये की परंपरा है।

सृष्टि साक्षी है कि जब कभी, जो कुछ नया आया, पहले से अधिक विकसित एवं कालानुरूप आया। हम बनाये रखें परंपरा नवागत की, नववर्ष की, उत्सव के हर्ष की। साथ ही संकल्प लें अपने को बदलने का, खुद में बेहतर बदलाव का। इन पंक्तियों के लेखक की कविता है-

न राग बदला, न लोभ, न मत्सर, बदला तो बदला केवल संस्कार। परिवर्तन का संवत्सर केवल कागज़ों तक सीमित न रहे। हम जीवन में केवल वर्ष ना जोड़ते रहें बल्कि वर्षों में जीवन फूँकना सीखें। मानव मात्र के प्रति प्रेम अभिव्यक्त हो, मानव स्वतंत्र से समर्थित हो। सभी पाठकों को शुभ गुड़ी पाडवा। नव संवत्सर आप सबके लिए शुभ हो।

बोध कथा
हाथी और चतुर खरगोश

ए क वन में ‘चतुर्दन्त’ नाम का महाकाय हाथी रहता था। वह अपने हाथीदल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलेया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं। इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय। बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा-...मुझे एक तालाब याद आया है। वह पातालगडगा के जल से सदा भार रहता है। चलो, वहीं चलें। पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से जमीन पोती हो गई थी। हाथियों के पैरों से ये सब बिल टूट-फूट गए। बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये। किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया। बहुत से मर भी गये। हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-सुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की। उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दुःख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा-...आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयङ्कर है जितना साँप का सूँचना, राजा का हँसना और मानिनी का मान। इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा-...हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए। यह परिव्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है। एक का परिव्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परिव्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये। किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा-...हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे।



तीर गाथा

नायक जसबीर सिंह : कुपवाड़ा की अंधेरी रात में बेमिसाल बहादुरी से किया आतंकवादियों का सामना

नायक जसबीर सिंह का जन्म जम्मू में हुआ था। माता महेंद्रो देवी और पिता नायब सुबेदार चरणदास के बेटे जसबीर अपने घर में योद्धाओं की कहानियाँ सुनते हुए बड़े हुए थे। वे जम्मू-कश्मीर राइफल्स की छठी बटालियन से थे। जसबीर सिंह को जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक स्थिति, भाषा, संस्कृति आदि की अच्छी जानकारी थी, इसलिए उन्हें एक खुफिया टीम में शामिल किया गया। उनमें इनपुट का विश्लेषण करने की क्षमता गजब की थी। जसबीर सिंह ने 8 जुलाई, 2022 की देर

रात कुपवाड़ा जिले में दो आतंकवादियों की लहलह देखी। उन्होंने जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय संयम बरता और दोनों आतंकवादियों को थोड़ा और नजदीक आने दिया। आतंकवादी जैसे ही नजदीक आए, जसबीर सिंह ने गोलीबारी शुरू कर दी। इससे बुरी तरह घबराए आतंकवादियों ने भी गोलीबारी की। जसबीर सिंह ने बेमिसाल बहादुरी से सामना किया। वे आगे बढ़े और एक आतंकवादी को उसके बिल्कुल नजदीक जाकर डेर कर दिया। इसके बाद उन्होंने दूसरे आतंकवादी को निशाने पर लिया। वह जान बचाकर भागना चाहता था, लेकिन जसबीर सिंह ने इसका मौका ही नहीं दिया। उन्होंने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। हालांकि इस दौरान उन्हें भी कई गोलियाँ लगीं और वे भारत माता के लिए बलिदान हो गए। नायक जसबीर सिंह ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अपना कर्तव्य निभाया। उनके साहस, शौर्य और बलिदान से देशवासियों को सदैव प्रेरणा मिलेगी। उन्हें ‘शौर्य चक्र’ से सम्मानित किया गया।





‘अर्जुन बेवकूफ’ की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता संजय मिश्रा, राजेश तैलंग और डॉली सिंह नई इंडिपेंडेंट फिल्म ‘अर्जुन बेवकूफ’ में नजर आएंगे। इस नियो-नोयर डार्क कॉमेडी की शूटिंग शुक्रवार से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म डॉली सिनेमा का एक रोचक प्रोजेक्ट है, जो सरपेंस और डार्क कॉमेडी का अनोखा मिश्रण पेश करेगी। स्मिता सिंह के निर्देशन में बन रही फिल्म के सह-निर्माता आनंद राज हैं। फिल्म ‘अंडमान’ की टीम को फिर से एकजुट करती है। ‘अंडमान’ को अपनी कहानी और अभिनय के लिए काफी सराहना मिली थी। ‘अर्जुन बेवकूफ’ में टीम नियो-नोयर जॉनर में कवम रख रही है, जहां सरपेंस, डार्क ह्यूमर

और ट्रिस्ट का तालमेल है। जानकारी के अनुसार, यह फिल्म प्रयागराज में ज्यादातर शूट होगी और टीम का मानना है कि यह दर्शकों को एक नया अनुभव देगी। मेकर्स के अनुसार, इस फिल्म का उद्देश्य एंटरटेन करने के साथ ही भारतीय इंडिपेंडेंट सिनेमा की सीमाओं को चुनौती देना और नई कहानी कहने का तरीका अपनाना है।

फिल्म को 8 पिलर्स मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में संजय मिश्रा, राजेश तैलंग और डॉली सिंह लीड रोल में हैं। ये एक्टर्स फिल्म में अनोखे अंदाज में नजर आएंगे। शूटिंग शुक्रवार सुबह मुख्य कलाकारों और कू के साथ शुरू हुई। टीम ने सख्त शेड्यूल बनाया है ताकि फिल्म समय पर पूरी

हो सके। निर्माताओं ने बताया कि ‘अर्जुन बेवकूफ’ इंडी फिल्ममेकिंग की पुरानी सोच को तोड़ने की कोशिश है। यह एक मनोरंजक कहानी है, जिसमें कॉमेडी और सरपेंस का सही बैलेंस है। संजय मिश्रा अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग और अलग-अलग किरदारों के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी फिल्मों में ‘आंखों देखी’, ‘मसान’ और ‘गोलमाल: फन अनलिमिटेड’ जैसी हिट शामिल हैं। वहीं, राजेश तैलंग को ‘देव’, ‘मुक्ताबाज’ और वेब सीरीज ‘दिली क्राइम’ में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए तारीफ मिली है। डॉली सिंह डिजिटल कंटेंट क्लिप्टर के रूप में लोकप्रिय हुईं और फिर ‘मॉर्न लव मुंबई’ के साथ ही ‘डबल एक्सप्ल’ जैसी फिल्मों में अभिनय किया।



अभिनेता कमल हासन को मिला प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेता कमल हासन को तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स में पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड उन्हें फिल्म उद्योग में उनके आजीवन योगदान और लक्ष्मण कार्य के लिए दिया गया।

कमल हासन इस सम्मान से बेहद खुश हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर कीं। अभिनेता ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सम्मान प्राप्त करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर कीं। अभिनेता ने पोस्ट कर लिखा, ‘मैं माननीय मुख्यमंत्री रवेत रेड्डी और माननीय उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमका का दिल से धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स को फिर से जीवित

किया। साथ ही, मैं सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठित पैडी जयराज फिल्म अवॉर्ड स्वीकार करता हूँ। अभिनेता ने आगे लिखा कि इस अवॉर्ड को फिर से शुरू करके सरकार ने न सिर्फ एक सम्मान दिया है, बल्कि एक दिग्गज निदेशक, निर्माता, और लेखक हैं, जिनका करियर छह दशक से अधिक का है। उन्होंने बाल कलाकार के रूप में शुरूआत की और ‘अपूर्व रांगल’ (1975) से मुख्य भूमिका में सफलता पाई। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी ‘राजकमल फिल्म इन्टरनेशनल’ के तहत ‘हे राम’, ‘विश्वरूपम’ जैसी फिल्में बनाई हैं। अभिनेता ने नायकन (1987), सदा, और दशावतारम जैसी फिल्मों के लिए महेश्वर कमल ने चार राष्ट्रीय पुरस्कार और 19 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं।

उद्योग में लंबे योगदान वाले कलाकारों को मिलाता है। वहीं, कमल हासन ने अपने करियर में कई भाषाओं में काम कर मनोरंजन जगत में योगदान दिया है। अभिनेता भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज निदेशक, निर्माता, और लेखक हैं, जिनका करियर छह दशक से अधिक का है। उन्होंने बाल कलाकार के रूप में शुरूआत की और ‘अपूर्व रांगल’ (1975) से मुख्य भूमिका में सफलता पाई। उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी ‘राजकमल फिल्म इन्टरनेशनल’ के तहत ‘हे राम’, ‘विश्वरूपम’ जैसी फिल्में बनाई हैं। अभिनेता ने नायकन (1987), सदा, और दशावतारम जैसी फिल्मों के लिए महेश्वर कमल ने चार राष्ट्रीय पुरस्कार और 19 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते हैं।

प्राइम वीडियो का बड़ा धमाका : ‘नागजिला’ से लेकर ‘सिस्टम’ तक, नई सीरीज और फिल्मों की सबसे बड़ी स्लेट का ऐलान

मुंबई/एजेन्सी

दर्शकों की पसंद के अनुसार डिजिटल मनोरंजन की दुनिया काफी तेजी से बदल रही है। इस बीच अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल कंटेंट पेश कर दी है, जिसमें दर्शकों को एक्शन, थ्रिलर, कॉमेडी, ड्रामा और रियल लाइफ इन्फायर्ड कहानियां समेत हर तरह का कंटेंट देखने को मिलने वाला है। इस इवेंट में करीब 55 नई सीरीज और फिल्मों की घोषणा की गई, जिसमें फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। इस स्लेट में सबसे ज्यादा चर्चा जिस प्रोजेक्ट की हो रही है, वह है ‘नागजिला’... यह एक फंटेसी और कॉमिक अंदाज में बनाई गई कहानी है, जिसमें नागलोक की दुनिया और उससे जुड़े रहस्यों को दिलचस्प तरीके से दिखाया जाएगा। इसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसी तरह ‘वन - फोर्स ऑफ द फॉरसेट’ एक अलग तरह की कहानी लेकर आ रही है, जिसमें आधुनिक सोच और पुरानी मान्यताओं के बीच टकराव को दिखाया गया है। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा डब्लू और तमना भाटिया जैसे बड़े कलाकार नजर आएंगे। यह कहानी एक



एसे इंसान की है, जो तक पर विश्वास करता है, लेकिन हालात उसे एक रहस्यमयी दुनिया में ले जाते हैं, जहां उसे अपने गांव को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। ‘लुक्खे’ एक स्पॉट्स और म्यूजिक के मिश्रण वाली कहानी है, जिसमें एक खिलाड़ी इंस रैकेट का पदफांश करने के लिए रैप म्यूजिक की दुनिया में उतरता है। वहीं, ‘रफू’ एक हल्की-फुल्की भावनात्मक कहानी है, जिसमें रिश्तों की जटिलता और प्यार के

उलझे हुए रूप को दिखाया गया है। ‘टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी’ एक ऐसे अफसर की कहानी है, जो बड़े सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ लड़ाई लड़ता है। वहीं, ‘कारनाम’ बदला गियर पलटी किस्मत’ चार दोस्तों की कहानी है जो गलत रास्ते पर चलकर बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। यह कहानी दोस्ती, शोखा और संघर्ष को दर्शाती है। ‘आदर्श बाल विद्यालय’ एक सरकारी स्कूल की कहानी है, जहां एक साधारण प्रिंसिपल और टीचर्स मिलकर

सिस्टम को बदलने की कोशिश करते हैं। इसमें केके मेनन जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। वहीं, ‘तीन कौबे’ एक सरपेंस और जासूसी से भरी कहानी है, जिसमें एक पूर्व एजेंट अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत साबित करने की कोशिश करता है। ‘मटक का किंग’ 1960 के दशक की मुंबई पर आधारित है, जिसमें एक व्यक्ति एक नए जुए के खेल की शुरूआत करता है और धीरे-धीरे यह खेल पूरे शहर में फैल जाता है। इसमें विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, ‘राख’ एक क्राइम थ्रिलर है, जो दो बच्चों के गायब होने के बाद शुरू होने वाली जांच पर आधारित है। ‘वेलकम टू खोया महल’ एक रॉयल फैमिली और उनकी विरासत से जुड़ी कहानी है, जिसमें रहस्य और ड्रामा दोनों देखने को मिलेंगे। ‘सिस्टम’ एक कॉर्टरूम ड्रामा है, जिसमें न्याय और सच्चाई के बीच की जंग को दिखाया जाएगा। इसमें सोनाक्षी सिन्हा नजर आएंगी। इसके अलावा ‘मैस’ एक अनोखी कहानी है, जिसमें चोर खुद फंस जाते हैं और उन्हें अपनी जान बचानी पड़ती है। वहीं, ‘स्ट्रॉम’ पांच महिलाओं की कहानी है, जो एक बड़े घोटाले में फंस जाती हैं और अपनी जिंदगी को बचाने के लिए लड़ती हैं।

दर्शन



आईपीएल सीजन शुरू होने से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, टीम के मालिक संजीव गोयनका और अन्य सदस्यों ने अयोध्या के राम मंदिर में दर्शन किए और जीत के लिए प्रार्थना की।

हिंद महासागर में ‘गार्सिया डिएगो’ स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान का हमला निंदनीय: ब्रिटेन

दुबई/एपी। ब्रिटेन ने हिंद महासागर में खिगो गार्सिया द्वीप स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी हवाई सैन्य प्रतिष्ठान पर ईरान की सेना द्वारा मिसाइलों से हमले की निंदा की है। ब्रिटिश अधिकारियों ने असफल हमले के प्रयास का विवरण नहीं दिया है। यह स्पष्ट नहीं है कि मिसाइलें सैन्य अड्डे के किन्तने करीब पहुंचीं, जो ईरान से लगभग 2,500 मील दूर है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि ईरान द्वारा पूरे क्षेत्र में हिंसक हमले करना और होमरूम जलजलमध्य को बंधक बनाए रखना, ब्रिटिश हितों एवं ब्रिटिश सहयोगियों के लिए खतरा है। ब्रिटेन ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमलों में शामिल नहीं हुआ है, लेकिन उसने अमेरिकी बमबर्कों को ईरान के मिसाइल स्थलों पर हमला करने के लिए ब्रिटेन के ठिकानों का उपयोग करने की अनुमति दी है। अमेरिकी बमबर्क विमान होमरूम जलजलमध्य में जहाजों पर ईरान के हमलों को रोकने के अभियानों में खिगो गार्सिया सहित ब्रिटेन के ठिकानों का भी उपयोग कर सकते हैं।



‘जॉली एलएलबी3’ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर आज

मुंबई/एजेन्सी

सौरभ शुक्ला, अक्षय कुमार और अरशद वारसी की कोर्ट ड्रामा फिल्म ‘जॉली एलएलबी-3’ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद अब टेलीविजन पर दस्तक देने वाली है। शनिवार को मेकर्स ने इस बात की जानकारी दी। मेकर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का क्लिप पोस्ट किया। इसमें अक्षय और अरशद की हल्की फुल्की नोक झोंक देखने को मिल रही है। वीडियो शेयर कर मेकर्स ने लिखा, कोर्टरूम में होगा फुल-ऑन हंगामा, जब दोनों जॉली करेंगे एक दूसरे का सामना। देखिए, ‘जॉली एलएलबी3’ का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर कल रविवार रात 8 बजे स्टार गोल्ड पर प्रसारित होगा। 19 सितंबर 2025 में रिलीज हुई फिल्म ‘जॉली एलएलबी-3’ एक हिंदी लीगल-कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसे सुभाष कपूर ने निर्देशित किया है। फिल्म में अक्षय और अरशद दोनों के नाम जॉली होते हैं, जिसको लेकर दोनों

लड़ते रहते हैं, हालांकि निर्देशक ने फिल्म में न्याय व्यवस्था, कॉरपोरेट लालच और किसानों के संघर्ष को हास्य और कोर्ट रूम ड्रामा के माध्यम से दिखाया है। इस फिल्म में अक्षय कुमार (जॉली मिश्रा) और अरशद वारसी (जॉली त्यागी) दोनों वकील के रूप में आमने-सामने नजर आते हैं, जो किसानों की जमीन के मुद्दे और रियल एस्टेट माफिया के खिलाफ लड़ाई पर आधारित है। यह फिल्म 2011 के भूदा-पारसोल किसान आंदोलन से प्रेरित है, जिसमें राजस्थान के बीकानेर की पृष्ठभूमि पर एक किसान परिवार की जमीन को हड़पने की कहानी दिखाई गई है। यह ‘जॉली एलएलबी3’ फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है। ‘जॉली एलएलबी 3’ में अमृता राव, हुमा कुरेशी और अरू कपूर अहम किरदार में होंगे। इसकी कहानी पहले से ज्यादा मजेदार होगी, क्योंकि इस बार फिल्म में अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों ही अपने-अपने ‘जॉली’ अवतार में दिखाई देंगे।

मैं पश्चिम एशिया या अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्ष में रहा हूँ : शशि थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण युद्ध लड़ रहे पक्षों, पड़ोसी देशों और भारत समेत व्यापक क्षेत्र को हो रहा नुकसान सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुका है और इसे अब रोका जाना चाहिए।

शुक्रवार को एक कार्यक्रम के इतर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि यह हमेशा से इस संघर्ष और अन्य संघर्षों में शांति समर्थकों के पक्षधर रहे हैं। उनसे तीन सप्ताह से जारी इस संघर्ष में दोनों पक्षों की आक्रामक बयानबाजी पर सवाल पूछा गया था, जिसके खत्म होने के आसार नहीं दिख रहे हैं।

थरूर ने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है। यह छोटी बात नहीं है, यह भारत सहित दुनियाभर के आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। हमें इस युद्ध को समाप्त करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा बनना चाहिए, बल्कि आदर्श रूप से नेतृत्व करना चाहिए। कई देश हमारे साथ जुड़ेंगे। कोई भी इस युद्ध को जारी नहीं देखना चाहता। उन्होंने

कहा कि इस संघर्ष से वे लोग भी प्रभावित हो रहे हैं जिनका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री ने कहा, अब समय आ गया है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी स्थिति से पीछे हटें। उन्हें हमारी और अन्य देशों की मदद व प्रोत्साहन की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि हम अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, अगर आपने ओमान के विदेश मंत्री की अपील देखी हो, तो यह बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। मुझे लगता है कि कई देश कह रहे हैं कि हमें इस युद्ध को हर हाल में समाप्त करना होगा। इससे बहुत अधिक नुकसान हो रहा है और यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है कि इससे किसी को क्या लाभ हो रहा है।

उन्होंने यह भी पूछा गया कि इस आक्रामक माहौल के बीच क्या तनाव कम करने की इच्छा रखने वाले शांति समर्थकों की जरूरत है। थरूर ने कहा, मैं स्पष्ट रूप से इस संघर्ष और अधिकांश अन्य संघर्षों में ‘शांति समर्थकों’ के पक्ष में रहा हूँ। युद्ध एक निरर्थक गतिविधि है। मैंने संयुक्त राष्ट्र में

शांति स्थापना अभियानों में कई वर्ष बिताए हैं और मैं कह सकता हूँ कि सैनिक ही सबसे आखिरी लोग होते हैं जो युद्ध देखना चाहते हैं। वे जानते हैं कि इसमें कितनी भयावहता, कितनी पीड़ा और कितना वास्तविक नुकसान होता है। कोई भी नहीं चाहता कि युद्ध जारी रहे।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब आप उन सैनिकों से बात करते हैं जिन्होंने लड़ाई और हत्या देखी है, तो वे आपको इससे जुड़ी पीड़ा के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा, अपने देश की रक्षा करने के लिए मजबूर होना एक अलग बात है, लेकिन ऐसा युद्ध जारी रखना बिल्कुल अलग बात है, जिसमें हर दिन लोग मर रहे हों, निर्दोष लोग मारे जा रहे हों, स्कूली बच्चे तक मारे जा रहे हों, आखिर किस लिए।

थरूर ने कहा, इस समय हर जगह जो नुकसान हो रहा है चाहे युद्ध लड़ने वाले पक्षों, पड़ोसी देशों या भारत समेत व्यापक क्षेत्र हों, वह सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुका है। इसे रोका जाना चाहिए।

संगीत संध्या



बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपनी ननद रीतिका भवनानी के साथ मुंबई में सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा के म्यूजिक शो का आनंद लेती नजर आईं। यह कार्यक्रम शुक्रवार, 20 मार्च की शाम आयोजित हुआ था।

तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स में रश्मिका का जलवा, राज्य स्तर का सम्मान पाकर हुई भावुक

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने तेलुगु फिल्म ‘द ग्लॉरिफ़ेड’ के लिए ‘तेलंगाना गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स’ में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार अपने नाम किया। शुक्रवार को अभिनेत्री ने अवॉर्ड मिलने की खुशी फैंस के साथ जाहिर की। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अवॉर्ड के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। कुछ तस्वीरों में रश्मिका की सास, विजय देवरकोंडा की मां, भी नजर आ रही हैं। विजय की मां हाथ में अवॉर्ड लिए हुए हैं, तो रश्मिका उन्हें प्यार से गले लगाए हुए हैं। उनका लुक काफी एलिगेंट लग रहा है। तस्वीरों देख रश्मिका की खुशी साफ झलक रही है। अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, बचपन में जब मैं किसी को राज्य स्तर पर अवॉर्ड जीतते देखती थी, तो उन्हें देखकर सुपरस्टार जैसा लगता था। मैं सोचती थी कि उन्होंने यह सम्मान कैसे हासिल किया होगा और उनका दिन कैसा होता होगा, लेकिन अब राज्य स्तर



का अवॉर्ड मिलने पर वो खुशी का एहसास हो रहा है। मुझे गर्व, खुशी और संतोष तीनों का अनुभव हो रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि यह साल उनकी जिंदगी के लिए बहुत खूबसूरत शुरूआत है। उन्होंने लिखा, तेलंगाना में इस तरह का सम्मान मिलना इसे और भी खास बना देता है। इस अवॉर्ड के लिए टीजीएफएफ का दिल से शुक्रिया। साथ ही श्री कला सुधा तेलुगु एसोसिएशन को भी धन्यवाद।

उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर राहुल रविंद्रन का भी विशेष आभार जताया। रश्मिका ने लिखा, राहुल ने ‘द ग्लॉरिफ़ेड’ को जिस तरह बनाया, वह बहुत खास है। मैं हमेशा कहती हूँ कि यह तो बस शुरूआत है। गद्दर फिल्म अवॉर्ड्स तेलंगाना सरकार द्वारा 2025 में स्थापित वार्षिक तेलुगु फिल्म पुरस्कार हैं, जो प्रसिद्ध लोक गायक और कवि गद्दर को समर्पित हैं। यह अवॉर्ड सेरेमनी 19 मार्च को आयोजित की गई थी। इसमें रश्मिका मंदाना (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री) और नामा चैतन्य (सर्वश्रेष्ठ अभिनेता) सहित कई अन्य कलाकारों को सम्मानित किया गया। वहीं, फिल्म ‘द ग्लॉरिफ़ेड’ साल 2025 में रश्मिका के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। यह फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी दिखाती है, जो एक नियंत्रण करने वाले साथी के साथ रिश्ते में फंस जाती है। फिल्म में रश्मिका और धीक्षित शेठ्टी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दर्शकों ने दोनों के अभिनय को काफी सराहना की थी।



गुरु नानक महाविद्यालय एवं सिस्को ने शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने हेतु मिलाया हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरु नानक महाविद्यालय (स्वायत्तशासी) चेन्नई के बाबा दीपसिंह सभागार में गुरु नानक सेंटर फॉर कंसल्टेंसी एंड आउटरीच इनिशिएटिव्स ने सिस्को नेटवर्किंग अकादमी के साथ साझेदारी कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की जिसके तहत विभिन्न पृष्ठभूमियों व समुदायों के शिक्षार्थियों को वैश्विक डिजिटल कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नेक्स्ट-जेनरेशन कंप्यूटिंग के दौरान, 18 मार्च को सिस्को नेटवर्किंग अकादमी के भारत एवं सार्क विभाग के प्रमुख इंडिर सिंह तथा गुरु नानक महाविद्यालय के महासचिव एवं संवादादाता मनजीत सिंह नायर, प्रधानाचार्या डॉ. आर. एम. एषिलारासी, डीन अकादमिक एवं ऋद्धउजख की प्रमुख डॉ. स्वाति पालीवाल, उपप्रधानाचार्या डॉ. पी. वी. कुमरपुर, गुरु नानक कौशल विकास केंद्र के प्रमुख डॉ. आर. आनंद एवं स्कूल ऑफ आईटी की डीन डॉ. एस. निर्मला देवी आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

उद्घाटन भाषण देते हुए इंडिर सिंह ने इस सहयोग को पिछले पांच वर्षों में लगातार विकसित हुई साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि हालांकि सिस्को परंपरागत रूप से इंजीनियरिंग संस्थानों एवं

विश्वविद्यालयों के साथ काम करता है, लेकिन कला एवं विज्ञान संस्थान के साथ इसका जुड़ाव एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहाँ प्रौद्योगिकी प्रत्येक छात्र के लिए, विषय की परवाह किए बिना, एक मूलभूत कौशल बन जाती है।

छात्रों से बातचीत करते हुए, उन्होंने कृत्रिम मेधा पर एक चर्चा शुरू की तथा इसके अर्थ एवं प्रभाव पर छात्रों के दृष्टिकोण व विचारों को जानने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि आज एआई लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने छात्रों को इसके प्रति संतुलित दृष्टिकोण अपनाने, इसकी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि ने परिसर में सिस्को प्रयोगशालाओं की स्थापना की घोषणा भी की। उन्होंने जीएनसीसीओआई को एक समावेशी मंच बताया जो चयनित छात्रों के अलावा समाज के सभी वर्गों तक शिक्षा का विस्तार करता है। नव हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में जीएनसीसीओआई को सिस्को नेटवर्किंग अकादमी के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाएगा, जिससे उन शिक्षार्थियों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिजिटल कौशल कार्यक्रमों तक पहुँच मिल जाएगी, जिन्हें औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल पाता है। इस पहल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए, सेंट्रल गैर-अवसरों के माध्यम से उद्योग जगत के साथ मेल मिलाप बढ़ाया जाएगा। बेंगलूर स्थित सिस्को सिरटम्स इंडिया

प्राइवेट लिमिटेड के तकनीकी सलाहकार व इंजीनियर प्रभु सुब्रमणियन समय-समय पर छात्रों से बातचीत करेंगे और उन्हें वास्तविक तकनीकी प्रक्रियाओं की भी जानकारी देंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सिस्को के विशेषज्ञों के साथ विशेष सत्रों में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा। संकाय विकास पर बोलते हुए, उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के 23 संकाय सदस्यों को पहले ही सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट (सीसीएनए) कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा उन्हें इस संख्या को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षित संकाय द्वारा आंतरिक रूप से गुणवत्तापूर्ण एवं उद्योग-केन्द्रित शिक्षा प्रदान की जा रही है या नहीं। वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के उद्देश्य से, गुरु नानक महाविद्यालय अमेरिका में आयोजित होने वाले सिस्को लाइव में भाग लेगा, जो उद्योग जगत के अग्रणी और पेशेवर लोगों को एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए विशेष निमंत्रण दिया है, जिससे उन्हें वैश्विक विशेषज्ञों एवं उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने मनजीत सिंह नायर के विद्यार्थी-संवर्धित दृष्टिकोण तथा शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए अपना संबोधन समाप्त किया और साझेदारी की निरंतर सफलता में विश्वास व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

डॉ. श्रवण बोहरा फिर विप्र फाउंडेशन जोन17ए के प्रदेशाध्यक्ष चुने गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तीर्थराज पुष्कर में आयोजित विप्र फाउंडेशन के 18 वें राष्ट्रीय परिषद अधिवेशन में डॉ. श्रवण बोहरा को जोन 17 ए का प्रदेशाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया।



ज्ञात रहे बोहरा ने पिछले कई वर्षों से विप्र फाउंडेशन के विभिन्न पदों पर रहते हुए तमिलनाडु, केरल में विप्र फाउंडेशन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बोहरा के प्रदेशाध्यक्ष बनने पर स्थानीय विप्र बंधुओं में खुशी की लहर छाई है। अनेक प्रवासी संस्थाओं से जुड़े लोगों ने बोहरा को बधाई दी।

पशुबलि को रुकवाने व शाकाहार प्रचार के लिए 'मातृछाया' कर रही है सहयोग चिक्केदेवमा देवी जात्रा में पशुबलि को रोकने के हुर प्रयास

बेंगलूर/दक्षिण भारत।

मैसूरु जिले के सरगूर तालुक स्थित सीडी हिल्स एक हातुगुड्डा क्षेत्र में रविवार तक आयोजित चिक्केदेवमा देवी जात्रा महोत्सव में वर्षों से चली आ रही पशुबलि की कुप्रथा पर पूर्ण विराम लगाते हुए हजारों निदोष पशुओं की बलि को रोका गया है। युगादि पूर्व के अवसर पर जात्रा में विशेष पूजन, हवन, पारंपरिक धार्मिक विधि-विधान तथा शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर देवी के दर्शन किए। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं प्रशासन ने निरंतर निगरानी रखते हुए सुनिश्चित किया कि कहीं भी पशुबलि जैसी कोई घटना न हो। विश्व प्राणी कल्याण मंडल, पशुप्राणी बलि निर्मूलन जागृति महासंघ के अध्यक्ष दयानंदरवामी के नेतृत्व में चलाए गए 'अहिंसा-प्राणीदया संदेश महाअभियान' के चलते यह सकारात्मक प्रभाव दिखाई दिया। दयानंदरवामी ने श्रद्धालुओं से कहा कि देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पशुबलि के स्थान पर श्रद्धा एवं भक्ति भावों के साथ नारियल, फल-फूल, हवन एवं सत्विक पूजा को अपनाना ही वास्तविक भक्ति-आराधना है। जात्रा आयोजकों और समिति के पदाधिकारियों ने भी पशुबलि रहित जात्रा के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई। स्वामी ने



बताया कि उनके निरंतर प्रयास से राज्य के अनेक शहरों में इस कुप्रथा को रोकने के प्रयास के तहत लगभग 2 लाख से अधिक पशुओं को बलि चढ़ने से बचाया जा सका है। इस अभियान के गतिमान रखने के लिए मातृछाया जैन महिला संगठन का विशेष योगदान है। संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, अध्यक्ष ललिता नागोरी एवं मंत्री रेशमा बडोला ने बताया कि संस्था जीवदया के इस कार्य में संस्था ने सहयोग दिया है। महाअभियान में एवं श्रद्धालुओं को मांसाहार की जगह सत्विक शाकाहार भोजन का प्रसाद वितरण करने में स्थानीय लोगों के सहयोग के साथ साथ मातृछाया जैन महिला संगठन, महावीर समदड़िया परिवार, सप्तराज बागरेवा परिवार, सुनील पटवा परिवार का विशेष सहयोग रहा।



शाकद्विपीय महिला मंडल ने मनाया गणगौर उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शनिवार को साहूकारपेट स्थित सूर्य भवन में शाकद्विपीय महिला मंडल चेन्नई द्वारा पूरी परंपराओं के साथ गणगौर पूजा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज की महिलाओं ने सूर्य भवन में गणगौर पूजा में बहचद कर भाग लिया। सूर्य भवन से बालाजी मंदिर तक गणगौर की शोभायात्रा निकाली गई। समाज की महिलाओं द्वारा सौभाग्यवती पूजा की। कुछ समाज की महिलाओं ने गणगौर उद्यापन भी किया और वहाँ उपस्थित सभी के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई। यहाँ मीडिया प्रभारी दीपेश देवेरा ने बताया कि इस अवसर पर श्री शाकद्विपीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।



शंघाई स्थित वाणिज्य दूतावास में 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' दिखाई गई

बीजिंग/भाषा। चीन के

शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के संस्कृति केंद्र में आयोजित एक विशेष स्क्रीनिंग में भारत के राजनयिकों, भारतीय समुदाय के लोगों सहित 100 से अधिक लोगों ने लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' देखी। जयवा अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म 'जिंदगी न मिलेगी दोबारा' शुक्रवार को अतिथियों के लिए प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर महावाणिज्यदूत प्रतीक माथुर ने कहा, चीन में भारतीय फिल्मों भारत की सांस्कृतिक ताकत का एक सशक्त प्रतीक बनी हुई हैं। शंघाई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि माथुर ने देशों के बीच सेतु निर्माण में भारतीय सिनेमा की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि

फिल्म में प्रदर्शित की गई अदृष्ट दोस्ती, रोमांच और जीवन को भरपूर जीने जैसे इसके शाश्वत विषय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। माथुर ने कहा कि यह भारतीय सिनेमा के जादू का एक आदर्श उदाहरण है, जो लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देता है और अगली पीढ़ी को हर अवसर को अपनाते के लिए प्रेरित करता है।

माहेश्वरी भवन में हुआ गणगौर का उद्यापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा श्री माहेश्वरी भवन में गणगौर के उद्यापन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 150 महिलाओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सामूहिक दोपहर भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गणगौर उद्यापन एक पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान है, इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी आस्था और परंपराओं का पालन करते हुए उद्यापन संपन्न किया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन समन्वयक उमा मालपानी एवं पूजा झंवर द्वारा किया गया। मंडल की अध्यक्ष ममता बागड़ी एवं सचिव कुसुम मालपानी के मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का माहौल बहुत ही आनंदमय और शानदार रहा। सभी उपस्थित महिलाओं ने मिलकर इस आयोजन को सफल और यादगार बनाया।

सुख-दुःख जीवन का स्वभाव, इसे प्रेम से स्वीकार करें : आचार्य कुलबोधिसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ किलपांक शेटाम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्य श्री कुलबोधिसूरिश्वरजी ने शनिवार को अपने गूढ़ एवं जीवनोपयोगी प्रवचन में कहा कि जीवन में जो भी प्राप्त हुआ है, उसे प्रेमपूर्वक स्वीकार करना ही सच्ची साधना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुख और दुःख जीवन के अभिन्न अंग हैं, दोनों का आना स्वाभाविक है। आचार्यजी ने सहज उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि करेला का कड़वापन, नींबू की खटास और समुद्र के पानी का खारापन—ये सब उनके स्वभाव हैं, दुर्गुण नहीं। ठीक इसी प्रकार जीवन में दुःख का आना भी उसका स्वभाव है, कोई दोष



अनावश्यक भोग-विलास को सीमित करना ही पाप को कम करने का सरल मार्ग है। एक से अधिक मोबाइल या टीवी रखने के बजाय आवश्यकता अनुसार सीमित साधनों का उपयोग करें। तीर्थ स्थलों पर अनावश्यक भोगों से बचें और अपनी क्षमता होने पर भी भोग-विलास को सीमित रखें—इससे पाप की तीव्रता स्वतः कम हो जाती है। अंत में आचार्यजी ने 25 मार्च से प्रारंभ हो रही चैत्र ओली करने की प्रेरणा दी। ओली के दौरान प्रतिदिन श्रीपाल-मयणा की रास पर प्रवचन आयोजित होगा। शिखर कोचर ने जानकारी दी कि आगामी 29 मार्च को संघ में महावीर जन्म कल्याणक हर्ष, उज्ज्वल और संगीतमय वातावरण में मनाया जाएगा, जिसमें भगवान का पालना झूलाने का लाभ सभी श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा।

प्रार्थना और कामनाओं में होती है अद्भुत शक्ति : आचार्य श्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुबली। स्थानीय केशवापुर स्थित अरिहंत नगर में शुक्रवार को धर्मसभा में आचार्य विमलसागरसूरीजी, गणिका सागरजी, तत्वविमलसागरजी, वीरविमलसागरजी, पुण्यविमलसागरजी और तीर्थविमलसागरजी ने विघ्न निवारक, मंगलकारक

केशवापुर में हुई विश्वशांति की सर्वमंगल प्रार्थना सभा

महामांगलिक का समवेत स्वर में सामूहिक पाठ कर सभी को नूतन वर्ष का शुभ आशीर्वाद प्रदान किया। आत्मरक्षा विधान से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। चारों ओर युद्ध, भय तथा अनिश्चितता के विषम वातावरण को देखते हुए विश्व शांति और उन्नति के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। सर्वमंगल की कामना के साथ मौन और ध्यान किया गया। इस मौके

पर आचार्य विमलसागरसूरीधरजी ने कहा कि प्रार्थना और कामनाओं में बहुत शक्ति होती है। अंतर्मन से की हुई प्रार्थना आराध्य तक अवश्य पहुंचती है और अपेक्षित परिणाम मिलते हैं। प्रार्थना समय ब्रह्मांड में विद्यमान एक ऐसी अद्भुत अलौकिक शक्ति है, जो साक्षात् चमत्कारों का सृजन कर सकती है। प्रकृति से मनुष्य जाति को मिला यह वरदान उसकी आशाओं

और उम्मीदों की आखिरी किरण होता है। उन्होंने चैत्री नवरात्रि के महत्व, मंत्र साधनाओं के स्वरूप और बीजमंत्रों के रहस्य को रोचक रूप में विस्तार से समझाया। चैत्री नूतन वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित महामांगलिक समारोह में बड़ी संख्या में पुरुषवर्ग श्वेत वस्त्रों में और महिलाएं लाल परिधान में सम्मिलित हुए। सभी ने ध्यान अवस्था में शास्त्रीय रागों के



गौशाला में लगी आग में डेढ़ करोड़ का चारा जलकर हुआ खाक संचालक ने बाहरी तत्वों की संलिप्तता की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। शहर के होसूर बड़े स्थित श्रीकृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला में गत मंगलवार को दिन में लगी आग के कारण गौशाला को भारी नुकसान पहुंचा है। गौशाला का संचालक कर रहे संत पुखराजसजी महाराज ने इस घटना के संदर्भ में बुधवार को बागलूर क्षेत्र के पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई जिसमें

आशंका जताई कि गौशाला में एक सोची समझी साजिश के तहत कुछ असंतुष्ट तत्वों द्वारा आग लगाई गई है। ज्ञातव्य है कि इस गौशाला में एक हजार से ज्यादा गायों का पालन-पोषण किया जाता है। पुखराजजी ने इस घटना के बारे में बताया कि कहा कि मंगलवार को सुबह 11:35 बजे सब कुछ सही था, गौशाला के दैनिक कार्य नियमित रूप से चल रहे थे, परन्तु अचानक लगभग 11.43 बजे सूखे घास से भरे शेड नम्बर 5 में आग लग गई। गौशाला



के कार्यकर्ता जब तक शेड में लगी आग को समझ पाते, तभी पास के दूसरे शेड जिसमें करीब 1 करोड़ रुपये का सूखा चारा संग्रहित था, उसमें भी आग लग गई। अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग के समय वे (पुखराज महाराज) गौशाला से बाहर थे, आग की सूचना मिलते हुए वे तुरंत गौशाला पहुंच गए। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में गौभक्त घटना स्थल पर पहुंच गए और अपने अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। दमकल विभाग को सूचना मिलते ही दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

पुखराज महाराज ने बताया कि इस भयावह घटना में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का सूखा चारा जलकर खाक हो गया है। उन्होंने कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश हो सकती है। इस घटना में किसी विशेष समूह या बाहरी तत्वों की संलिप्तता हो सकती है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। उन्होंने इस घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए प्रशासन से निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच की मांग की है। 'दक्षिण भारत' अखबार के प्रतिनिधि ने जब अगले दिन गौशाला का दौरा किया तो पाया कि गौशाला से बड़ी मात्रा में जला हुआ घास टुकड़ों के माध्यम से बाहर फेंकने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।